समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• फरवरी २०२५ • वर्ष ७६ • अंक ०२

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

९ फरवरी २०२५; कोलकाता में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०२३, समारोह के मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल, पंजाब, प्रशासक, केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़ श्री गुलाब चंद कटारिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं चेयरमैन पुरस्कार चयन उपसमिति पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, सम्मानित अतिथि श्री बेणुगोपाल बांगड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय गोयनका, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, चेयरमैन वित्तीय उपसमिति श्री आत्माराम सोंथलिया, सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री हरिमोहन बांगड़, श्री कुंज बिहारी अगरवाला, श्री अरुण सुरेका एवं श्री अरुण प्रकाश मल्लावत।

बधाई !

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

श्री कैलाश चंद काबरा

२१ फरवरी : मायड़ भाषा दिवस री घणी बधाई!

इस अंक में

संपादकीय

- ❑ गृहस्थ ऋषि

आपणी बात

- ❑ आपणी मायड़ भाषा

रपट

- ❑ सम्मेलन समाचार
- ❑ संगोष्ठी
- ❑ स्थानीय संस्था की बैठक
- ❑ सुश्री रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री निर्वाचित

विशेष पेज-१५

संस्कार-संस्कृति चेतना

- ❑ गणतंत्र दिवस
- ❑ शिवरात्रि का अर्थ

प्रांतीय समाचार

- ❑ प्रांत/शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस का पालन
- ❑ बिहार, असम, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्कल पश्चिम बंग, पूर्वोत्तर, गुजरात, तमिलनाडु

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ फरवरी २०२५ ◆ वर्ष ७६ ◆ अंक २

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **चिट्ठी आई है एवं संदेश** — ३
- **संपादकीय :** — ४
  गृहस्थ ऋषि
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** — ५
  आपणी मायड़ भाषा
- **रपट**
  सम्मेलन समाचार — ६-७
  संगोष्ठी — ८, १२
  स्थानीय संस्था की बैठक — ११
  सुश्री रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री निर्वाचित — १५

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

गणतंत्र दिवस — १६-१७
संस्कार संस्कृति चेतना, शिवरात्रि का अर्थ — १८

- **प्रांतीय समाचार**
  प्रांत/शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस का पालन — १४
  बिहार, असम, झारखंड, छत्तीसगढ़ — १९-२२
  पश्चिम बंग, पूर्वोत्तर, गुजरात, तमिलनाडु, उत्कल
- **विचार** — २५
- **आलेख** — २६-२७
  राजेन्द्र जोशी
  डॉ. पवन पोद्दार
- **कविता** — २८
- **नए सदस्य** — २९-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

मैं आपकी पत्रिका के नवीनतम संस्करण (जनवरी २५) के लिए अपनी हार्दिक बधाई और सराहना व्यक्ति करती हूँ। सामग्री वास्तव में प्रेरणादायक और हृदयस्पर्शी थी।

विभिन्न क्षेत्रों और शाखाओं में स्थापना दिवस के समारोहों के बारे में पढ़कर आनंद आया। सर्दियों में कंबल वितरण, जरुरतमंदों को भोजन देना और **आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज** पर ध्यान केंद्रित करना आपकी टीम द्वारा हमारे समुदाय में किए जा रहे अविश्वसनीय प्रभाव को दर्शाता हैं। गणतंत्र दिवस से जुड़ी कहानियाँ, साथ ही कुम्भ और महाकुम्भ से जुड़ी रीति-रिवाज और आस्था की कहानियाँ, शिक्षाप्रद और ज्ञानवर्धक दोनों थी।

जिस तरह से आपने वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों की देखभाल और सामाजिक कार्य करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला, वह बहुत मार्मिक था। अरुणाचल प्रदेश में नई शाखा के उद्घाटन और समुदाय के भीतर नई प्रतिभा की पहचान के बारे में पढ़ना भी अद्भुत था।

इस अंक में बेहतर समाज के निर्माण पर लेख (आपणी बात), कवि सम्मेलन और साझा कविताओं में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और राजस्थान के प्रति प्रेम, हमारी परंपराओं को संरक्षित करना और रिश्तों को महत्व देना प्रतिबिंबित हुआ हैं।

आपके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए पूरी टीम को एक बार फिर बधाई। आपकी पत्रिका आशा, संस्कृति और सामाजिक चेतना का प्रतीक बनी रहें।

– डॉक्टर मीनाक्षी यादव
राजस्थान फाउंडेशन, जयपुर

सम्मेलन मंच

आज नई पीढ़ी में हमारे संस्कार संस्कृति के विषय में जानकारी एवं पालन का अभाव हो रहा है। इस स्थिति को उलट कर नई पीढ़ी में प्रथम (शैशव काल) से ही किस प्रकार हम संस्कार संस्कृति चेतना को जागृत कर सकते हैं।

५०० शब्दों में १५ मार्च २०२५ तक कृपया अपने विचार भेजें। सर्वोत्तम तीन विचारों को पुरस्कृत किया जाएगा। धन्यवाद।

संपर्क सूत्र
मो॰ 8697317557, ई-मेल : aimf1935@gmail.com

गृहस्थ ऋषि

संपादकीय

आज समाज में विभिन्न विसंगतियां उत्पन्न हो रही हैं। हम अपनी परंपराओं से दूर हो रहे हैं। उन विशिष्ट परंपराओं में से एक है हमारा संयुक्त परिवार। ऐसे में एक व्यक्ति अपने जीवन काल में चार भाइयों के परिवार को प्रेम एवं समर्पण के धागे से बांधे रखा। उनके गुजर जाने के बाद उनके परिवार जनों ने उन्हें 'गृहस्थ ऋषि' की संज्ञा दी है। आज परिवार के ३० सदस्य संयुक्त रूप से हैं। उनके अनुसार गृहस्थ उसे कहते हैं जो पृथ्वी पर अपने अस्तित्व के महत्व को समझाता हैं। ऋषि वह है जिसका मन सुख दुख, ऊँच नीच के बीच अविचलित रहता हैं। उनके परिवार जनों के अनुसार **स्वर्गीय घनश्याम दास शाह** ने न्याय संगत, समता एवं समभाव से परिपूर्ण जीवन जिया। स्वर्गीय शाह की स्मृति में एक पुस्तक का प्रकाशन हुआ हैं। इस पुस्तक का शीर्षक है – गृहस्थ ऋषि। खासकर इस पुस्तक के संयुक्त परिवार भाग को मैंने पढ़ा। इस भाग को पढ़ते हुए मुझे गीता का एक श्लोक (३.२१) का स्मरण हो आया :–

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।३.२।।

इस श्लोक का भावार्थ हैं - श्रेष्ठ मनुष्य जो आचरण करता है दूसरे मनुष्य वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण देता है दूसरे मनुष्य उसी के अनुसार आचरण करता हैं।

संयुक्त परिवार की परंपरा एक ऐसी लुप्त होती परंपरा है, जिसके पुनर्स्थापना से समाज का ही लाभ होगा। इस कड़ी में यह आवश्यक हैं कि संयुक्त परिवार की सफलता के अप्रतिम उदाहरण के रूप में स्वर्गीय शाह के बारे में जानकारी को अधिकतम लोगों तक पहुंचाई जाए।

मछली पानी में जीती हैं। पानी के बिना उसके जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। व्यक्ति समाज में जीता हैं। समाज के बिना व्यक्ति के व्यक्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। भाषा, सभ्यता, संस्कृति आदि जितने भी विशिष्ट गुण हैं, वे समाज में पनपते हैं। यदि किसी व्यक्ति को समाज से सर्वथा अलग रखा जाए तो वह या तो रामू भेड़िया बनेगा या केवल मिट्टी का ढेला।

जब तक सामाजिक चेतना नहीं जागती, व्यक्ति का भी मूल्य नहीं होता। आदमी 'स्व' से हटकर 'पर' तक चलता है, तब वह सामाजिक चेतना बन जाता हैं। सामाजिक चेतना का एक महत्वपूर्ण सूत्र है परस्परता। आचार्य उमा स्वाति ने लिखा है – **'परस्परोपग्रहो जीवानाम्।'** यानी जीवों का लक्षण है एक-दूसरे को सहारा देना। समाज बनता है पारस्परिक सहयोग के आधार पर। एक पौराणिक कहानी है। असुरों ने एक बार इंद्र से शिकायत की कि आप देवों का पक्ष लेते हैं। इंद्र ने कहा– ऐसा तो नहीं हैं। इसका निर्णय करने के लिए इंद्र ने देवों और दानवों को भोज के लिए निमंत्रण दिया। दोनों बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। इंद्र ने कहा– भोज एक शर्त के साथ होगा। दो-दो व्यक्ति आमने-सामने बैठेंगे। दोनों के हाथ खपच्चियों से बंधे रहेंगे। ऐसी अवस्था में भोजन करना होगा। पहले दानवों का नंबर आया। सब के हाथ बांध दिए गए और उन्हें भोजन के लिए कहा गया। वे वैसे ही बैठे रहे। तय समय पर बिना भोजन किए उठ गए। देवों की बारी आई, तो उनके भी हाथ बांध दिए गए। कुछ देर तक वे असमंजस में बैठे रहे। फिर एक उपाय सूझा। बंधे हुए हाथ अपने मुंह की ओर तो नहीं मुड़ते, पर सामने वाले के मुंह तक तो पहुंचते ही हैं। देव एक-दूसरे को भोजन कराने लगे। पूरा भोजन करके तय समय पर उठ गए। इंद्र ने दानवों से कहा बताओ, पक्षपात किसने किया? जिसमें परस्परता होती है, जो दूसरों को खिलाना जानता है, वह देव होता हैं। जिसमें परस्परता नहीं होती, वह दानव होता है। देव और दानव में इसके अलावा और अंतर ही क्या है? जो स्वार्थी होता है, स्वयं खाना जानता है, पर खिलाना नहीं जानता, वह दानव होता हैं। जो स्वयं खाना जानता है और दूसरों को खिलाना भी जानता है, वह देव होता हैं।

समाज की दिव्यता का लक्षण है पारस्परिकता। धर्म की चेतना जागे बिना समाज की चेतना भी पूरी नहीं जागती। समाज के लिए तीन बाते अपेक्षित हैं– **१. स्वार्थ मुक्ति, २. परस्परता और ३. अहिंसा**। समाज बनता है अहिंसा के आधार पर। अहिंसा की चेतना जागे बिना समाज का निर्माण नहीं होता हैं। यदि हिंसा की चेतना वालों का समाज बनता है तो हिंसक पशुओं का ही समाज बनेगा, पर अच्छी बात है कि ऐसा समाज आज तक बना नहीं। मछलियों का समाज बन जाता, पर बना नहीं। जहां बड़ी मझली छोटी मछली को खा जाती है, वहां समाज नहीं बन सकता।

'गृहस्थ ऋषि' पुस्तक में कुछ बिंदुओं का उल्लेख है, जिन पर घनश्याम दास जी ने मंत्र के रूप में पूर्ण विश्वास किया। वे मंत्र हैं:–

१. संयुक्त परिवार में शांतिपूर्वक संतुलन बनाकर रहने से बड़ा सुख संसार में कुछ नहीं हैं।
२. संतुलन बनाना आसान नहीं है, लेकिन जागरूकता रहने, एक दूसरे के प्रति त्याग की भावना, सहनशीलता, परस्पर विश्वास, वाणी पर नियंत्रण, अनुशासन पालन करने, एक दूसरे की भावना का ख्याल रखने, किसी के साथ अन्याय न हो इत्यादि चेष्टाओं से हम संयुक्त परिवार का सुख प्राप्त कर सकते हैं।
३. ऐसा लग सकता है कि हम व्यक्तिगत स्तर पर कुछ खो रहे हैं, पर सामूहिक रूप से लाभ बहुत हैं। उसका फायदा हमें व्यक्तिगत रूप से भी मिलता हैं।
४. बच्चों का सामूहिक विकास होता है, वे बहुत कुछ सीखते हैं।
५. सबके साथ चलने की आदत पड़ती हैं। इससे जुड़ने का भाव पैदा होता हैं।
६. आर्थिक संकट में बड़ा सहारा मिलता है। घर-संसार चलाने में बहुत खर्चा बचता हैं।
७. किसी की तबीयत खराब हो जाए तो बड़ा सहारा मिलता हैं।
८. छोटे-बड़ों का कायदा सीखने को मिलता हैं।
९. अपने-अपने अधिकारों और कर्तव्यों का पालन करना सीखते हैं।
१०. बड़ी से बड़ी विपत्ति का सामना मिलकर कर सकते हैं।
११. जीवन में एक सुरक्षा का भाव रहता हैं।
१२. सब एक साथ रहने से डिप्रेशन नहीं होता हैं।
१३. ये सब प्राप्त होता है प्रेम और संवेदना से।
१४. 'हम' की भाषा में सोचें, 'मैं' की भाषा में नहीं।
१५. संयुक्त परिवार का आनंद ही कुछ और हैं।
१६. मेरी तो आत्मा इसमें बसती हैं।

आपणी मायड़ भाषा

२१ फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस के अंतर्गत मायड़ भाषा दिवस का पालन किया जाता हैं। मारवाड़ी कहावतों के विशेषज्ञ कोलकाता के सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री राजेंद्र केडिया को राजस्थानी भाषा की विशेषता पर वक्तव्य देने आमंत्रित किया गया। राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार में सम्मेलन निरंतर प्रयासरत रहता हैं। इस सिलसिले में हमने केंद्रीय गृह मंत्री को भी एक पत्र देकर राजस्थानी भाषा को मान्यता देने के लिए अनुरोध किया हैं। व्यक्तिगत रूप से मैं इस कार्यकाल में मारवाड़ी सम्मेलन के सभी बैठकों एवं सभी समारोहों मे मारवाड़ी भाषा में ही अपना वक्तव्य देता रहा हूँ। मुझे खुशी है कि सभी इसे पसंद भी कर रहे हैं। राजस्थानी भाषा काफी समृद्ध भाषा हैं। राजस्थानी भाषा में कहावतों की भरमार है, जो की गागर में सागर का काम करते हैं।

हम सभी जानते हैं कि १८वीं एवं १९वीं शताब्दी के समय से राजस्थान का जनजीवन नाना प्रकार की कठिनाईयों के मध्य गुजरा करता था। फिर भी राजस्थान के गांवो में कला-कौशल, तीज त्यौहार, रहन-सहन, भाषा साहित्य उन्नत होने के कारण राजस्थानी संस्कृति में सजीवता एवं विविधता झलकती थी। आपसी व्यवहार में प्रेम, सद्भाव, सरसता रहती थी। समाज के बड़े-बुजुर्ग जीवन के आस-पास की घटनाओं से सीखते थे। यही कारण है कि राजस्थान में कहावतों की प्रचुरता मिलती हैं। इन कहावतों में रीति-रिवाज, शिक्षा, आदर्श, नैतिकता एवं सामाजिक सोच का समावेश हैं। **आज विश्व पटल पर प्रबंधन, सामाजिक आदि के उन्नत मान के विषय, विश्व के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जाते हैं**। राजस्थानी कहावतों का मान उनसे कम नहीं आंका जा सकता। राजस्थानी कहावतों का एक संसार है जिसमें कुछ देर समय बिताने से प्रांत की सभ्यता-संस्कृति एवं लोगों के विचारों की श्रेष्ठता को स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होता। हम यहाँ कुछ कहावतों का आनंद लेंगे एवं उनके भीतर छिपी हुई गूढ़ता का परिदर्शन करेंगे।

१. **अक्कल कोई कै बाप की कोनी** – बुद्धि किसी की बपौती नहीं। आज यह बात जगजाहिर है। कोई भी व्यक्ति शिक्षा प्राप्त कर सकता हैं। उसमें लगन एवं निष्ठा होनी चाहिए।

२. **अक्कल बिना ऊँट उभाणा फिरै** – मुर्ख बुद्धि का अभाव होने के कारण साधनों का प्रयोग करे। साधन होना तो आवश्यक है किन्तु इनका सही प्रयोग करने की बुद्धि भी होनी चाहिए।

३. **अभागिओ टावर त्यूहार नै रूसै** – मनभागी सुअवसर का लाभ नहीं उठा सकते हैं। मनुष्य के जीवन में अवसर सदैव नहीं आते। जब अवसर आये तो उसका लाभ उठाना ही सफलता की निशानी हैं।

४. **अम्मर को तारो हाथ सै कोनी टूटे** – आकाश का तारा हाथ से नहीं टूटता। अपने लिये हम जो लक्ष्य निर्धारित करते है, उसको हासिल करने के लिये सोच विचार कर आवश्यक प्रयास या कदम उठाये बिना वह हासिल नहीं होता।

५. **आड्यू चाल्या हाट न ताखड़ी न बाट** – मूर्ख का काम अव्यवस्थित होते हैं। कोई भी काम करने के पहले आवश्यक तैयारी महत्वपूर्ण हैं।

६. **आपकी छोड़ पराई तक्कै, आवै औसर के धक्कै** – जो अपनी छोड़ पराई की ओर दृष्टि रखता है, उसे समय का आघात सहना पड़ता है। मनुष्य को स्वयं पर ध्यान रखना चाहिए। दूसरों पर नजर रखने से हम अपना उत्थान नहीं कर सकते।

७. **एक करोट की रोटी बल उठै** – रोटी यदि एक ही ओर रखी रहे तो जलने लगती हैं। जीवन में संतुलन की आवश्यकता हैं। एक तरफा सोच से हम लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते।

८. **एक नन्नौ सौ दुख हरै** – एक 'नहीं' कह देने से सौ दुख दूर हो जाते हैं। जीवन में 'ना' कहना आना बहुत जरुरी हैं। इसीलिये कहते है- 'ना' मतलब 'ना'।

९. **कसो हाँक मारया कूवो खुदै है** – केवल चिल्लाने से काम नहीं होता, काम तो करने से ही होता हैं। कोई भी कार्य करने के लिये उसकी सही शुरुआत आवश्यक हैं। सिर्फ बातों से काम नहीं चलता।

१०. **काम की मा उरैसी, पूत की मा परैसी** – काम करने वाला अच्छा लगता है, काम नहीं करने वाला अगर सुन्दर एवं प्रिय भी हैं, अच्छा नहीं लगता। दुनिया में काम करने वाला ही सबको प्रिय लगता हैं। बेकार लोगों के साथ कोई नहीं रहना चाहता।

११. **खावै पूणू, जीवै दूणू** – जो पूरा पेट न खाकर चौथाई खाली रखता है, उसकी आयु दुगुनी होती हैं। स्वस्थ्य रहने का प्रभावी तरीका। भूख से चौथाई कम खाने की आदत डाले।

१२. **खेती धनिया सेती** – खेती मालिक की निगरानी से ही फलदायिनी होती हैं। कोई भी काम सफल होने के लिये उसकी उचित देखभाल आवश्यक हैं।

१३. **गुड़ देतां मरै, वी न झेर क्यू दैणू** – मीठे बोलने से काम चले तो कटु क्यो बोले। अगर मीठे बोल से काम चले, तो तीखे बोल क्यो बोलें।

१४. **घर घर माटी का चूला** – घर-घर सभी की आर्थिक स्थिति में समानता हैं।

१५. **घोड़ी तो ठाण विकै** – गुणों की उपयुक्त जगह पर ही कीमत होती हैं। सभी चीजों का मूल्य उसके नियत स्थान पर ही होता है।

१६. **चालनी मे दूद दूवै, करमां नै दोस देवे** – स्वयं मूर्खता करता हैं और व्यर्थ में भाग्य को दोष देता हैं। अगर काम करते समय हम होस-हवास नहीं रखेंगे तो हमें फल नहीं मिलेगा।

१७. **चीकणै का सै लगवाल** – धनवान से सभी पहचान बनाना चाहते है, यह मनुष्य की कमजोरी हैं कि धनी देखकर हम उसके प्रिय बनना चाहते हैं।

१८. **जावो लाख, रहो साख** – चाहे लाखों रुपया चला जायें, साख नहीं जानी चाहिए। यह मारवाड़ी समाज की विशेषता रही हैं। समाज में एवं व्यापार में अपनी साख हर हालत में बनी रहे, उसके लिये शत प्रतिशत प्रयास करना चाहिए।

१९. **ज्यादा लाड से टावर बिगड़े** – बच्चों के लालन-पालन में जरुरत से ज्यादा लाड प्यार उनको बिगाड़ देता हैं।

२०. **डाकण बेटा लै क दै** – बुरे आदमी से भलाई की आशा नहीं की जाती।

२१. **तंगी मे कुण संगी** – व्यक्ति के दुख में कोई साथ नहीं देता।

शिव कुमार लोहिया

राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान समारोह संपन्न

श्री बेणुगोपाल बांगड़ सम्मानित किए गए

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं प्रवीण उद्योगपति बेणुगोपाल बांगड़ को मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान (रामनिवास आशारानी लाखोटिया) प्रदत्त करने का समारोह स्थानीय हिंदुस्तान क्लब, कोलकाता में आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक महामहिम गुलाबचंद कटारिया उपस्थित हुए। उन्होंने अपने भाषण में मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा की विगत ९० वर्षों से सम्मेलन समाज के कार्य में रत हैं। यह प्रशंसा की बात है कि समाज के अच्छे कार्यों को एवं उन अच्छे कार्यों को करने वाले सज्जनों का सम्मेलन सम्मान करता हैं। उन्होंने कहा मारवाड़ी समाज हमेशा अपने सेवा, उद्योग एवं व्यापार के कारण जाना जाता है एवं पूरे देश में उन्होंने अपना योगदान दिया हैं। साथ ही साथ मारवाड़ी समाज अपने तीज-त्योहार, संस्कार-संस्कृति के प्रति भी सदैव सजग रहता हैं। उन्होंने अपने अनुभव से कहा कि उन्होंने देखा है कि असम में दूरदराज स्थानों में किस प्रकार से महिलाएं अपने तीज-त्योहारों का निष्ठा एवं उल्लास के साथ पालन करती हैं। उन्होंने राजस्थान के गौरवमय इतिहास का वर्णन किया एवं याद किया कि किस प्रकार से राणा प्रताप, पन्नाधाय, भामाशाह आदि ने मातृभूमि के गौरव के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर कर दिया। उन्होंने अमर कवि कन्हैया लाल जी सेठिया का स्मरण किया एवं कहां की उन्होंने अपने रचनाओं के माध्यम से राजस्थान के गौरव को अमर कर दिया हैं। उन्होंने कोलकाता के विशिष्ट समाजसेवी स्व. जुगल किशोर जैथलिया की अवदानो को भी याद किया। उन्होंने कहा कि समाज में मजबूत संगठन की आवश्यकता है, एकता की आवश्यकता है। अगर कहीं पर भी कोई भेदभाव है तो उसे दूर करके हमें एक होने की जरूरत हैं। हमें राष्ट्र की प्रगति के लिए अपने संस्कार और संस्कृति को बचा के रखना है ताकि हम अपने गौरव को फिर से प्राप्त करें और इस गौरव को तभी प्राप्त किया जा सकता है जब देश का प्रत्येक नागरिक इस विषय में प्रयास करें।

अध्यक्षीय भाषण में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने सम्मेलन की विभिन्न गतिविधियों एवं उसके ऐतिहासिक संदर्भों के विषय में संक्षिप्त में जानकारी दी। उन्होंने सम्मेलन के असंख्य कार्यकर्ताओं एवं नेतृत्व को नमन किया जिनके प्रयास एवं अवदानों के फलस्वरूप समाज में एक ऐसा संगठन कार्यरत है एवं समाज को स्वस्थ रखने एवं उसके विकास के लिए सदैव प्रयास करता आ रहा हैं। उन्होंने कहा कि इस सत्र में सम्मेलन का नारा है **आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज**। समाज के अंदर जितने भी घटक हैं, सभी एकजुट होकर समाज के उत्थान एवं प्रगति के लिए साथ आए, सम्मेलन का यही उद्देश्य हैं। इसके लिए उन्होंने सभी समाज के सभी नेतृत्व को आवाहन किया इस नारे को सफल बनाने में अपना योगदान दें। राजस्थानी भाषा का प्रचार-प्रसार एवं घर में आपस में राजस्थानी भाषा में बोलचाल करें, यह आज समय की मांग है। इसके बारे में सभी को सजग होना हैं। साथ ही प्री-वेडिंग सूट का निर्णय एवं विवाह शादियों के समारोह में मद्यपान निषेध मुख्य मुद्दे हैं, जिसका समाज में सभी को पालन करने का निवेदन किया।

राजस्थान व्यक्तित्व सम्मान को स्वीकार करते हुए बेणुगोपाल बांगड़ ने सम्मेलन के प्रति आभार प्रकट किया एवं कहा कि सम्मेलन समाज को जोड़ने का एक अच्छा काम कर रहा है। मैं सम्मेलन के सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं एवं उनके प्रति आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने मुझे इस लायक समझा। आज के युग में सभी को अपने कार्यों को लगन एवं निष्ठा के साथ करने की आवश्यकता हैं ताकि राष्ट्र निर्माण में सब योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि मुझे सम्मान यू तो कई जगह से मिला है लेकिन अपनों का यह मिला हुआ सम्मान मेरे लिए एक विशेष महत्व रखता हैं।

प्रारंभ में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री प्रह्लाद राय अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं सम्मेलन के राजस्थानी

व्यक्तित्व सम्मान कि विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी सम्मेलन का यह सर्वोच्च सम्मान हैं।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने किया। समारोह को सफल बनाने से राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय गोयनका एवं पवन जालान व्यस्त थे। समारोह में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री पवन जालान एवं संजय गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयनका, आत्माराम सोंथलिया, पश्चिम बंग प्रांतीय अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल, हरिमोहन बांगड़, हरिप्रसाद बुधिया, अरुण प्रकाश मल्लावत, अरुण कुमार सुरेका, नंदलाल सिंघानिया, रमेश कुमार बुबना, कुंज बिहारी अग्रवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, नवल राजगढ़िया, शशिकांत साह, सुशील पोद्दार, राजेंद्र खंडेलवाल, जगदीश प्रसाद गाड़ोदिया, आत्माराम लोधा, बृजमोहन बजाज, विनोद कुमार सुराणा, कमल कुमार शर्मा, एल एन अग्रवाल, जे. एन. मुंधड़ा, डॉ. महेश कुमार माहेश्वरी, पवन टेकड़िवाल, भागीरथ चांडक, महेंद्र अग्रवाल, तरुण संचेती, सौरभ जैन, निर्मल नाहटा, अशोक संचेती, राधा किशन सफ्फड़, आशा माहेश्वरी, संतोष अग्रवाल, सुधा मुंधड़ा, बंशीधर शर्मा, चंदू लाल बागड़ी, बुलाकी दास मिमानी, राम कुमार बिनानी, महेश कुमार मालपानी, विजय बागड़ी, करोड़ी मल गोयल, घनश्याम सुगला, महेंद्र कुमार अग्रवाल, नवीन खेमका, श्री प्रकाश सोमानी, गिरधारी लाल शर्मा, जगत सिंह पुगलिया, राजमल पुगलिया, अनिल गोयनका, विजय क्याल, सीताराम शर्मा, मनीष कुमार कनोई, ऋषि बागड़ी, सरिता लोहिया, ओम प्रकाश बांगड़, विश्वनाथ भुवालका, प्रकाश चंद्र हरलालका, बिनोद कुमार लिहला, दीनदयाल धनानिया, जय प्रकाश सेठिया, गोपाल अग्रवाल, सुरेश कुमार बंगानी, सांवर मल शर्मा, अमित कहली, राजेंद्र प्रसाद सुरेका, आनंद कुमार मेहता, रतन सिकरिया, अनुराग गोयल, राधिका गोयल, केदार मल झंवर, संजीव कुमार केडिया, चंद्र शेखर शारदा, शोभा गोयनका, कृष्णा भीमराजका, महेश अग्रवाल, ममता भीमराजका, सज्जन बेरीवाल एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संगोष्ठी

समाज में सकारात्मकता के विकास के उपाय

संस्कार-संस्कृति का विकल्प नहीं : शिव कुमार लोहिया

१८ जनवरी २०२५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सम्मेलन सभागार में समाज में सकारात्मक के विकास के उपाय विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने कहा आज समाज एक चौराहे पर खड़ा है। एक तरफ हमारी पुरानी परंपरा, हमारी पुरानी संस्कृति है और दूसरी तरफ पाश्चात्य जगत से प्रभावित एक जीवन शैली है, जिसके कारण समाज में तरह-तरह की कुरीतियाँ एवं विसंगतियाँ पनप रही हैं। इस प्रकार की जीवन शैली से समाज में नकारात्मकता बढ़ रही है। नकारात्मकता रोकने के लिए हमें सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना होगा। सकारात्मक की ओर उठते एवं बढ़ते हुए हर कदम को हमें मजबूत बनाना होगा। उन्होंने बताया कि शिशुओं में प्रारंभ से ही हमें अपने संस्कारों को स्थापित करना होगा। सम्मेलन के संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम को अभियान बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज की स्थिति के लिए हम स्वयं ही जिम्मेदार हैं एवं इसका निराकरण भी हमें स्वयं ही करना होगा। संस्कार संस्कृति चेतना के कुछ बिंदुओं के ऊपर चर्चा करते हुए कहा कि प्रथम से ही घर में बड़े बुजुर्गों के प्रति आदर, धर्म एवं आध्यात्म के प्रति आस्था एवं जीवन में विनम्रता एवं चरित्र की महत्ता बच्चों को बताना होगा। उन्होंने कहा कि बदलाव लाने के लिए सिर्फ सोच से नहीं होगा बल्कि हमें इस दिशा में ठोस प्रयास भी करने पड़ेंगे और यह प्रयास प्रत्येक व्यक्ति अपने घर से प्रारंभ करे।

मुख्य वक्ता प्रबुद्ध साहित्यकार एवं चिंतक प्रियंकर पालीवाल ने कहा कि आज विकास हो रहा है किंतु वह चेहरे पर नहीं दिखाई देता। भौतिक समृद्धि के साथ-साथ अध्यात्मिक समृद्धि आवश्यक हैं। आज धर्म एवं आध्यात्म से समाज दूर होता जा रहा हैं। जीवन में सकारात्मकता एवं संतुलन की आवश्यकता हैं। सकारात्मकता के अभाव के कारण जीवन में हम संतुलन रखने में असफल हो रहे हैं। यह एक त्रासदी है कि विकास के नाम पर आज सप्ताह में ९० घंटे काम करने की दुहाई दी जा रही हैं। कोविड के समय हमने यह सीखा कि जिनको हम अन्य मानते है वह अन्य नहीं हैं। अन्य अगर सुरक्षित है तो ही हम भी सुरक्षित हैं। सकारात्मकता एक दृष्टिकोण है जो अनुभव से प्राप्त होती हैं एवं हम उसे वरिष्ठ लोगों से भी प्राप्त कर सकते हैं। आज का समाज वरिष्ठ लोगों को हासिए पर खड़ा कर दिया है एवं उनकी परवाह नहीं हैं। यह भी एक कारण है की नकारात्मकता समाज पर हावी हो रही हैं।

वरिष्ठ कानूनविद नंदलाल सिंघानिया ने कहा कि समाज में नकारात्मकता का प्रसार का मुख्य कारण है हमारी शिक्षा पद्धति में हमारे संस्कारों को शामिल नहीं किया गया। हमें अपनी भावी पीढ़ी को चरित्र की महत्ता के विषय में जानकारी नहीं दे सके। इस भूल को हमें सुधारना होगा। कवयित्री शशि लाहोटी ने समाज सुधार पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत की जिसे सभी ने सराहा।

प्रारंभ में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि समाज सुधार एवं संस्कार-संस्कृति चेतना के विषय में सम्मेलन लगातार प्रयासरत है। समाज को अपनी विसंगतियों एवं कुरीतियों से मुक्त करने में इसकी प्रमुख भूमिका पहले भी रही हैं एवं अभी भी निभा रहा हैं। इस विषय में व्यापक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ही आज की संगोष्ठी आयोजित की गई है।

सर्वप्रथम सम्मेलन की ओर से रघुनाथ झुनझुनवाला ने मुख्य वक्ता प्रियंकर पालीवान का स्वागत-सम्मान किया। समाजसेवी श्री अरुण प्रकाश मल्लावत ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा में नथमल भीमराजका, अशोक संचेती, सुशील अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल एवं अन्य गण्यमान्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सामाजिक विसंगतियाँ: समाधान एवं उनका क्रियान्वयन

२१ दिसंबर २०२४ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय सभागार में सामाजिक विसंगतियाँ: समाधान एवं उनका क्रियान्वयन विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने की। इस बैठक में समाज में फैली विसंगतियों एवं उनके समाधान एवं उनका क्रियान्वयन पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश पति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदार नाथ गुप्ता, अरुण चुड़िवाल, सतीष झुनझुनवाला, गोविंद सारदा, राजेश कुमार सोंथलिया, नंदलाल सिंघानिया, पवन बंसल, सांवरमल शर्मा, सज्जन बेरिवाल, सुरेश अग्रवाल, संदीप सेक्सरिया, बिनोद टेकड़ीवाल, शरद सराफ, ममता बिनानी, प्रदीप जिवराजका एवं जीतेन्द्र शर्मा उपस्थित थे।

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
• Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
• Conductor and groundwire accessories
• HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
• OPGW cable fittings
• Pole/Distribution line hardware
• AB Cable and ADSS cable accessories
• Substation clamps and connectors
• Conductor, Insulator and hardware testing facility
IAC ELECTRICALS PVT. LTD.
Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

manipalhospitals
LIFE'S ON

DON'T LET NEURO PROBLEMS HOLD YOU BACK.

Avail Comprehensive Care for Neurology.

Visit Manipal Hospital Kolkata.

Our expert neurologists provide advanced care for a wide range of neurological conditions, including stroke and other neurological disorders.

Specialties of Our Neurology Department:

- World-Class Infrastructure
- Highly Trained Clinical Teams
- Minimally-Invasive Procedures
- Comprehensive Care for Brain Stroke
- Epilepsy Surgery

To know more
Manipal Hospitals Kolkata
033 6680 0000

स्थानीय संस्था की बैठक

समाज के सभी घटकों में एकता सम्मेलन का लक्ष्य – शिव कुमार लोहिया

०१ फरवरी २०२५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के आवाहन पर सम्मेलन सभागार में समाज के विभिन्न संस्था एवं संगठनों के साथ विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार विमर्श के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि इस सत्र में सम्मेलन का नारा है "आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज"। समाज के विभिन्न घट क एकजुट होकर समाज के विकास में कार्यरत हो यह समय का तकाजा है। उन्होंने सम्मेलन की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी उपस्थित महानुभावों से अनुरोध किया कि इसकी जानकारी वह अपने सदस्यों में बांटे। साथ ही उन्होंने समाज में पनपती हुई विसंगतियों एवं नई-नई कुरीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका मिलजुल कर हमें सामना करना है। लोहिया ने कहा कि मातृभाषा हमारे संस्कार एवं संस्कृति की संवाहक होती है। अतः घरों में एवं हमारे बच्चों के साथ हमें अपने मातृभाषा का उपयोग करना चाहिए ताकि हमारी संस्कृति और संस्कार बचे रहें। सभा में एक न्यूनतम कार्यक्रम के बारे में चर्चा की गई। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने सम्मेलन की विभिन्न स्वास्थ्य - शिक्षा संबंधी एवं रोजगार सहायता, व्यापार सहायता, राजनीतिक चेतना कार्यक्रमो से समाज के सभी व्यक्तियों को लाभ मिले इसका उन्होंने आवाहन किया। समाज के विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई एवं इसमें सभी संगठनो के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उपस्थित सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत किया एवं बैठक के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि बुलाकीदास मिमानी, संजय बिनानी, अरुण कुमार सोनी, राजेश सोंथालिया, प्रभु दयाल अग्रवाल, पवन बंसल, प्रकाश हरलालका, ओम प्रकाश हरलालका, राजकुमार व्यास एवं सीताराम अग्रवाल उपस्थित थे।

उपलब्धि

मधुबनी निवासी सम्मेलन के आजीवन सदस्य श्री नंदकुमार बूबना जी की सुपौत्री और श्री आशीष बूबना-श्रीमती सपना बूबना की लाडली सुपुत्री अनन्या बूबना। २६ फरवरी को रिलीज होनेवाली राणी सती दादी पर आधारित फिल्म "मोटी सेठानी" में इन्होंने मुख्य भूमिका निभाई है। बधाई!!!

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल

सम्मेलन ने सदस्यों एवं समाज बंधु-बांधवों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में निम्नलिखित पहल की है –

सम्मेलन ने अपने सहयोगी 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से **एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल** (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) के साथ मिलकर विविध सर्जरी के लिए व्यवस्था की है, जिसमें **(१) हर्निया, (२) हाइड्रोसिल, (३) पाइल्स, (४) फिस्सुरे** के ऑपरेशन में होने वाले खर्च का 80 प्रतिशत योगदान 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' सीधे तौर पर अस्पताल को देगा और शेष 20 प्रतिशत मरीज को वहन करना पड़ेगा। इसका लाभ देश के सभी प्रांतों के समाज-बंधु ले सकते हैं।

नोट : आवेदन प्रपत्र केंद्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। चिकित्सकीय सेवा का लाभ प्रांतीय अध्यक्ष या महामंत्री के अनुशंसा पत्र के माध्यम से ही मिलेगा। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से दूरभाष : 033-40044089, 8697317557, ईमेल : aimf1935@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं।

शोक समाचार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति के सदस्य श्री अशोक भलोटीयाजी हमारे बीच नहीं रहे। विनम्र श्रद्धांजलि।।

संगोष्ठी

मारवाड़ी कहावतों का संसार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से २२.२.२०२५ सम्मेलन सभागार में 'मारवाड़ी कहावतों का संसार' विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता थे सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजेन्द्र केडिया जिन्होंने कहावतों को संजोने पर बृहद रूप में काम किया हैं। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राजेन्द्र केडिया ने कहा कि कहावतें हमारी बातों में सलीका लाते हैं एवं गागर में सागर भरने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थानी भाषा में जितनी कहावतें हैं, विश्व की अन्य भाषाओं में देखने को नहीं मिलते। उनके अनुसार राजस्थानी

कहावतें का प्रकाशन प्रथम में कोलकाता में हुआ। तत्पश्चात १५००० राजस्थानी कहावतों का कोष तैयार किया गया। आज के इस दौर में भाषा और संस्कृति को बचा के रखना है। हमारे खान-पान, रहन-सहन और वेशभूषा में परिवर्तन करते हुए हैं। हमारे सोच में भी परिवर्तन हुआ है। उन्होंने बताया कि कहावतों को हमें सकारात्मक रूप में देखना चाहिए। हर एक कहावतों के पीछे एक कहानी छिपी रहती है। उन कहानी के मर्क को समझ कर ही हम कहावतों का वास्तविक अर्थ समझ सकते हैं। विभिन्न कहावतों के विषय में उन्होंने विस्तार से चर्चा की एवं कई उदाहरण प्रस्तुत किये। उन्होंने अपने वक्तव्य को अत्यंत ही सरलता से प्रस्तुत किया जिसे सभी श्रोताओं ने मंत्र मुग्ध होकर सुना। उनके वक्तव्य के उपरांत उन्होंने श्रोताओं के जिज्ञासा का भी उत्तर दिया।

प्रारंभ में समारोह की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं कहा कि आज राजस्थानी भाषा की मान्यता के साथ-साथ राजस्थानी भाषा का प्रचार प्रसार एक बहुत बड़ा महत्वपूर्ण कार्य हमारे सामने है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन निरंतर राजस्थानी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री को भी गत नवंबर माह में पत्र दिया गया है। इसके अलावा राजस्थानी भाषा के व्याकरण पर पुस्तक सम्मेलन कार्यालय में निःशुल्क उपलब्ध रहता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि कम से कम अपने घर में मातृभाषा में ही आपसी वार्तालाप करें। विशेष करके घर के नए बच्चों को राजस्थानी भाषा से परिचय करवायें। उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लि सम्मेलन सभी सुझावों का स्वागत करता है।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार बंशीधर शर्मा ने राजेन्द्र केडिया के

कार्यों की सराहना की एवं कहा कि उन्होंने कहावतें पर १० खंड में पुस्तकें प्रकाशित करने की योजना बनाई है, जिसमें से दो प्रकाशित हो चुकी है एवं एक प्रकाशाधीन है। यह उनका राजस्थानी साहित्य के लिए अप्रतिम योगदान है। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सभा के प्रारंभ में अरुण प्रकाश मल्लावत ने केडिया जी का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री संजय गोयनका, डॉ. प्रियंकर पालीवाल, संजय बिन्नानी, आत्माराम सोंथालिया, जुगल किशोर जाजोदिया, अमित कहली, राजकुमार अग्रवाल, नीता मुरारका, अमित मुंधड़ा, गौरी शंकर सारडा, पियूष क्याल, जे एन मुंधड़ा, अरविन्द कुमार मुरारका, बिनोद बियानी, सांवरमल शर्मा, प्रकाश चंद्र हरलालका, रघुनाथ प्रसाद झुनझुनवाला, पवन बंसल, राम मोहन लखोटिया, राजेन्द्र राजा, संजीव कुमार केडिया, संदीप सेकसरिया, संतोष रूंगटा, किरण रूंगटा, दिलीप दारुका, ललित दारुका, श्रीगोपाल अग्रवाल, श्याम लाल अग्रवाल, नथमल भीमराजका, गोविन्द जैथलिया, नरेन्द्र केडिया, ओम बिहानी, बिक्रम सामुई, शुभम राय एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। संगोष्ठी का ऑनलाइन प्रसारण किया गया जिसमें देश के अनेक भागों से सैकड़ो लोगों ने भाग लिया।

सम्मान

मारवाड़ी सम्मेलन का राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं बाल-साहित्य सम्मान घोषित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पुरस्कार चयन उपसमिति के अध्यक्ष पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला की अध्यक्षता में गठित पुरस्कार चयन उपसमिति द्वारा 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' एवं 'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया बाल-साहित्य सम्मान' के लिए चयन किया गया हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने इस आशय की जानकारी देते हुए कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' साहित्यिक एवं संस्कृति-कर्मी डॉ. मंगत बादल, श्रीगंगानगर, राजस्थान निवासी एवं 'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया बाल-साहित्य सम्मान' बाल साहित्यकार श्री रामजीलाल घोड़ेला, को १ मार्च २०२५ को कोलकाता में सम्मान किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने कहा डॉ. मंगत बादल राजस्थानी भाषा के विख्यात साहित्यकार हैं। वें काव्य, महाकाव्य, प्रबंध काव्य, कविता, कहानी, व्यंग्य तथा संपादन सहित अनेक विधाओं में अनेक पुस्तके रच चुके हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में रेत री पुकार, दसमेस, मीरां, मत धंधो आकाश, शब्दों की संसद, इस मौसम में, हम मनके इक हार के, सीता, यह दिल युग है व कैकेयी है। इनके द्वारा रचित एक महाकाव्य, मीरां के लिये उन्हें सन् २०१० में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी 'दशमेश' नामक काव्य-कृति के लिए उन्हें सूर्यमल्ल मिश्रमशिखर पुरस्कार (2006-07) से नवाजा गया। आप अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। ज्ञात हो कि सम्मेलन की तरफ से उन्हें 'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान' से विभूषित करने की घोषणा की जा रही हैं।

आगे उन्होंने कहा कि श्री रामजीलाल घोड़ेला राजस्थानी बाल-साहित्यकार को 'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया बाल-साहित्य सम्मान' से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया हैं। श्री घोड़ेला राजस्थानी भाषा के नई पीढ़ी के कवि, कहानीकार, बाल साहित्यकार, आलोचक हैं। इनकी उर्वर लेखनी से राजस्थानी बाल-साहित्य को नई धार मिली हैं। इनकी मुख्य रचनाओं में झबरको, राड़ आडी बाड़ में शामिल हैं। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने डॉ. मंगत बादल एवं श्री रामजीलाल घोड़ेला को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की।

संक्षिप्त परिचय

डॉ. मंगत बादल

शिक्षा : अेम.अे.(हिन्दी), अेम.फिल. पीअेच.डी.

हिन्दी, राजस्थानी अर पंजाबी री चावी-ठावी पत्र-पत्रिकावां में कवितावां, कहाणियां, व्यंग्य, निबंध, गीत, आलोचनात्मक आलेख आद बरसां सूं प्रकाशित।

राजस्थानी : रेत री पुकार (कविता संग्रै) दसमेस (महाकाव्य) मीरां (प्रबन्ध काव्य) सावण सुरंगो ओसर्‌यो, बात री बात, हेत री हांती, तारां छाई रात (निबंध संग्रै) कितणो पाणी (कहाणी संग्रै) भेड अर ऊन रो गणित (व्यंग्य संग्रै), मोहन आलोक व्यक्तित्व एवं कृतित्व (आलोचना) आ म्हारी जूण (दलीप कौर टिवाणा रै पंजाबी उपन्यास रो राजस्थानी अनुवाद)।

प्रकाशित पोथ्यां : हिन्दी : मत बाँधो आकाश, शब्दों की संसद, इस मौसम में, हम मनके इक हार के, अच्छे दिनों की याद में (काव्य संग्रै) सीता, कैकेयी (खण्ड-काव्य) यह दिल युग है, आन्दोलन सामग्री के थोक विक्रेता, छवि सुधारो कार्यक्रम (व्यंग्य संग्रै) वतन से दूर (यात्रा-वृत्त) कागा सब तन (कहानी संग्रह)

सम्मान एवं पुरस्कार : कादम्बिनी व्यंग्य कथा प्रतियोगिता-संभावना पुरस्कार १९९२ राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर सूं 'इस मौसम में' पर सुधीन्द्र पुरस्कार १९९२ भारतीय साहित्य कला परिषद भादरा सूं गौरी शंकर शर्मा साहित्य सम्मान २००१ राजस्थान कैनेडियन सांस्कृतिक एसोसिएशन कनाडा सूं सम्मान क्ष राजस्थान पत्रिका रो कर्णधार सम्मान २००५-२००६ सूर्यमल्ल मीसण सर्वोच्च शिखर पुरस्कार २००६ 'दसमेस' महाकाव्य खातर प्रयास संस्थान चुरू सूं 'कहाणी सम्मान' २००७ राजस्थान पत्रिका रो 'सृजनात्मक साहित्य पुरस्कार' २००८ सृजन साहित्य संस्थान श्रीगंगानगर सूं सम्मान २००९ 'केन्द्रीय साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली' सूं मुख्य पुरस्कार २०१० मीरां प्रबन्ध काव्य खातर 'दसमेस' महाकाव्य रो 'हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी' सूं पंजाबी भाषा में गुरमेल मडाहड़ रो अनुवाद 'मीरा' प्रबन्ध काव्य रो केसरा राम रो पंजाबी अनुवाद केन्द्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली सूं प्रकाशित।

श्री रामजीलाल घोड़ेला

पिता श्री बनवारी लाल घोड़ेला एवं माता श्रीमती जैता देवी के आंगन में १५ दिसंबर १९६१ को जन्मे रामजीलाल घोड़ेला 'भारती' हिंदी व राजस्थानी के वरिष्ठ कवि एवं बाल साहित्यकार हैं। राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र व शिक्षा में स्नातकोत्तर घोड़ेला संप्रति राजस्थान के माध्यमिक शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं। डॉक्टर अंबेडकर राष्ट्रीय फैलोशिप, चंद्रसिंह बिरकाली बाल साहित्य पुरस्कार, जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित 'भारती' की रचनाएं देश प्रदेश की प्रमुख पत्रिकाओं में नियमित रूप से प्रकाशित होती रहती हैं।

तीन दशकों से अधिक शिक्षकीय सेवा के साथ सतत रूप से बाल साहित्य सृजन। हिन्दी एवं राजस्थानी दोनों भाषाओं में साहित्य सृजन। राजस्थानी में प्रकाशित बाल-साहित्य की प्रमुख कृतियां – जादू रो चिराग, आस री किरण, झबरको। हिन्दी में प्रकाशित बाल-साहित्य की प्रमुख कृतियां-सुनहरा उपवन मेरा, छुट्टी आई मौन करो, मिट्टी के रंग बच्चों के संग।

गणतंत्र दिवस का पालन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, शाखा बेतिया एवं श्री पिंजरा पोल गौशाला के संयुक्त तत्वावधान में ७६ वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर माननीया महापौर श्रीमती गरिमा देवी सिकारिया द्वारा गौशाला परिसर में राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया।

अध्यक्ष श्री प्रेम जी सोमानी एवं गौशाला के उपाध्यक्ष श्री संजय जी झुनझुनवाला द्वारा गौशाला में हुए अकल्पनीय विकास एवं परिवर्तन से उपस्थिति अतिथियों को अवगत कराया एवं मुख्य अतिथि माननीया महापौर द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। अध्यक्ष श्री प्रेम जी द्वारा सम्मेलन द्वारा किए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यों में अपनी सहभागिता प्रदान करने हेतु समाज बन्धुओं से आग्रह किया। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री रवि गोयनका द्वारा उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों से मिलकर राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदान करने की अपील की गई। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष श्री संजय जी जैन द्वारा किया गया।

गणतंत्र दिवस का पालन

७६वें गणतंत्र दिवस पर बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की नवगछिया शाखा के तत्वावधान में बिनोद केजरीवाल जी के प्रतिष्ठित "राध्या श्री" ईण्डियन बैंक के बगल में हर्षोल्लास के साथ झण्डोत्तोलन समारोह का आयोजन हुआ। शाखाध्यक्ष दिनेश सर्राफ ने झण्डा फहराया व देश व समाज के सभी बन्धुओं को एक सूत्र में बंधकर देश को आगे बढ़ाने का संदेश दिया वहीं शाखा के महामंत्री विनोद केजरीवाल ने बताया कि आज ही के दिन अपना संविधान लागू किया गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक विनय प्रकाश तथा मुरारी लाल पंसारी की भूमिका अहम रही।

मौके पर पवन सर्राफ, बिनोद खण्डेलवाल, पूर्व ए.डी. एम. जयशंकर मण्डल, सुभाष चंद्र वर्मा, नरसिंह चिरानिया, रवि सर्राफ, विक्रम आनन्द, विवेक रूंगटा, निर्मल मुनका, संतोष यादुका, कन्हैया लाल यादुका, मनोज सर्राफ, कैशव सर्राफ, ओम प्रकाश चिरानिया, मोहन लाल चिरानिया, कमल टीबड़ेवाल, प्रवीण केजरीवाल, मिडिया प्रभारी अशोक केडिया, मयूर केजरीवाल, पंकज टीबड़ेवाल, चेतन मुनका, पारस खेमका, अमित रूंगटा, ईण्डियन बैंक के मैनेजर सुमीत कुमार, सागर साव, बद्री चौधरी श्याम हरनाथका, तथा समाज के और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बेगूसराय शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस पर झंडोत्तोलन किया गया।

बंगाईगांव शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस का पालन

बंगाईगांव मारवाड़ी सम्मेलन तथा बंगाईगांव मारवाड़ी सम्मेलन की महिला शाखा द्वारा प्रकाश सिनेमा के मैदान में गणतंत्र दिवस का पालन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

सम्मेलन के अध्यक्ष राजेन्द्र हरलालका ने महिला शाखा के साथ संयुक्त रूप में ध्वज फहराया। इसके पश्चात राष्ट्र गान का गायन हुआ तथा भारत माता की जय के नारे लगे। शाखा सचिव श्री अजीत सिंह भंसाली, श्री प्रकाश बैद, श्री पन्ना लाल सामसुखा, श्री पवन हरलालका, श्री सरजीत सिंह भारी, श्री निर्मल बैद, श्री पुखराज नाहटा, श्री धर्मचंद लूणिया, श्री पीयूष सुराणा, श्री नीरज सुरेका, श्री दीपेश सुरेका, श्री प्रकाश भंसाली, श्री पारस मल दुगड़, श्री मोती सामसुखा, कृष्णा हरलालका, मास्टर प्रकृति अग्रवाल तथा महिला शाखा से श्रीमती चंदा भंसाली, मधु नाहटा, कविता कोठारी, सरिता बैद, नीतू अग्रवाल, अर्चना सुरेका और अनु अग्रवाल मिस गीवांशि ने हिस्सा लिया।

सुश्री रेखा गुप्ता दिल्ली की मुख्यमंत्री निर्वाचित

समाज के लिए गौरव का क्षण

श्रीमती रेखा गुप्ता ने पहली बार विधानसभा का चुनाव जीता हैं। वह शालीमार बाग सीट से विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार वंदना कुमारी को २९,५९५ वोटों के बड़े अंतर से मात दी हैं।

रेखा गुप्ता जी हरियाणा के जुलाना से हैं लेकिन जब वो दो वर्ष की थीं तब उनके पिता का ट्रांसफर दिल्ली हो गया जिसके बाद उनका परिवार यहीं शिफ्ट हो गया। रेखा गुप्ता के दादा एक आढ़ती थे और उनका जुलाना में गंगाराम-काशीराम के नाम से एक दुकान भी थी।

रेखा गुप्ता के पिता जयभगवान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मैनेजर रह चुके हैं। उनकी मां का नाम उर्मिला जिंदल हैं जो हाउस वाइफ थी। रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता हैं जो एक स्पेयर पार्ट्स कारोबारी हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दो बच्चों की मां हैं। उनका एक बेटा निकुंज गुप्ता और एक बेटी हर्षिता गुप्ता हैं। रेखा गुप्ता बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सक्रिय सदस्य हैं। संघ की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के जरिये उन्होंने छात्र राजनीति में एंट्री मारी थी। १९९४-९५ में वह दौलत राम कॉलेज में सचिव चुनी गई।

१९९५-९६ में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) की सचिव बनीं। १९९६-९७ में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की अध्यक्ष बनीं।

मारवाड़ी समाज के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से श्रीमती रेखा गुप्ता को इस गरिमामय नियुक्ति के लिए हार्दिक बधाई। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस पद के दायित्व का पूर्ण निर्वहन करते हुए दिल्ली के उन्नति में नया आयाम स्थापित करेंगी।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने उनको बधाई संदेश प्रेषित किया हैं।

समाज मजबूत होने पर ही राष्ट्र

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वाधान में सम्मेलन कार्यालय परिसर में गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने झंडा फहराया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में लोहिया ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए गणतंत्र की महत्ता पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट ने सन १९४१ में स्वतंत्रता के चार पायदान बताए थे। वे हैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, आराधना करने की स्वतंत्रता, असमानताओं का अंत, एवं भय से मुक्ति। हमारे संविधान में इन सब बातों को समाहित किया गया हैं। हमारा संविधान हमारी परंपरा और संस्कारों के मूलभूत भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता हैं। आज देश को मजबूत करने के लिए हमें समाज को मजबूत बनाने की आवश्यकता हैं। आज समाज संस्कार विहीन होने से कई विसंगतियां एवं कुरीतियाँ पनप रही हैं। इसका हमें प्रतिकार करना होगा सम्मेलन ने इस विषय में संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम का प्रारंभ किया हैं। इस कार्यक्रम को एक अभियान के रूप में परिवर्तित करना होगा एवं घर-घर में इसका प्रचार के साथ राष्ट्र एवं समाज निर्माण करने की आवश्यकता हैं। जब तक हम अपने मर्यादाओं का पालन नहीं करेंगे तब तक हम अपनी कमजोरी से लड़ नहीं पाएंगे। आज समाज को संगठित करने की दरकार हैं। समाज भिन्न-भिन्न घटकों में बंटा हुआ दिख रहा हैं। इस समस्या से हमें ऊपर उठकर। एक हमें एक सूत्र में बंधकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि यह काम प्रवचन के द्वारा नहीं, आचरण के द्वारा किया जा सकेगा। दीनदयाल धनानिया ने युवकों को समाज कार्य में जुड़ने पर जोर दिया। सांवर धनानिया नें कहा कि बच्चों को प्रथम से ही अपनी भाषा, आचरण का ज्ञान देने की आवश्यकता हैं। जब तक हम स्वयं का आचरण नहीं सुधारेंगे बच्चे उसे सीख नहीं

मजबूत होगा : शिव कुमार लोहिया

पाएंगे। श्री आत्माराम सोंथलिया ने कहा कि अधिकार के साथ-साथ दायित्व भी हमें समझना होगा। श्री अरुण गाड़ोदिया ने अपने अनुभव से कहा कि युवाओं को इस विषय में सोच समझकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा नारी सशक्तिकरण का यह मतलब नहीं है कि माताएं एवं बहने घर के बच्चों को संस्कारित करने के दायित्व से स्वयं को मुक्त समझ ले।

निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका ने सम्मेलन की गतिविधियों पर संतोष प्रकट किया एवं आशा प्रकट की कि सम्मेलन समाज को सही दिशा देने में सफलता के साथ आगे बढ़ता रहेगा। नंदलाल सिंघानिया ने कहा कि संविधान में बहुत सी बातें निर्देशित हैं जो कि अभी तक अधूरी हैं उन्होंने कॉमन सिविल कोड, हिंदी को राष्ट्रभाषा जैसे मसले हैं जो कि संविधान में उल्लेख किए गए हैं लेकिन विभिन्न कारणों से उनका अभी तक कार्यान्वयन नहीं हो पाया हैं।

समाजसेवी शंकर कारीवाल ने देश के विकास में संविधान की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दूसरे देशों में संविधान की मर्यादा भंग हो रही हैं किंतु हमारे देश में हम उस मर्यादा का पालन कर रहे हैं और दिन पर दिन हमारा संविधान मजबूत होता जा रहा हैं। अधिवक्ता प्रदीप जीवराजका ने कहा कि हमें विरासत से विकास की ओर आगे बढ़ाना हैं। हमारी विरासत मजबूत है एवं वह दिन दूर नहीं जब भारत एक विकसित देश का रूप में उभर कर आएगा। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने संगोष्ठी का सफल संचालन किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय गोयनका, अरूण प्रकाश मल्लावत, रमेश कुमार बुबना, प्रकाश चंद हरलालका, राजेश कुमार सोंथलिया, नथमल भीमराजका, जे पी अग्रवाल, सज्जन बेरिवाल, शिव कुमार बागला, उर्मिला बागला, बिनोद कुमार लिहला, पवन बंसल, बिश्वनाथ भुवालका, सत्यनारायण सोनी, कृष्ण कुमार सिंघानिया, अनिल कुमार मलावत, मुकुंद लोहिया, पीयूष क्याल, रमेश कुमार जैन, अशोक संचेती, सरोज संचेती, सीताराम अग्रवाल, अमित डाबड़ीवाल, राजेश ककरानियाँ, संजय बिन्नानी एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिवरात्रि का अर्थ है, शिवजी की रात्रि और यह भगवान शिवजी के सम्मान में मनायी जाती हैं।

सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड का शिव ध्यानस्थ स्वरूप हैं। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में सिर्फ शिव ही व्याप्त हैं। यह ब्रह्माण्ड के प्रत्येक अणु में व्याप्त हैं। इनका कोई आकार या रूप नहीं हैं परन्तु यह सभी आकार या रूप में मौजूद हैं और करुणा से परिपूर्ण हैं। लिंग का अर्थ चिन्ह होता हैं और इस तरह इसका प्रयोग स्त्रीलिंग और पुल्लिंग के रूप में होने लगा। सम्पूर्ण चेतना की पहचान लिंग के रूप में होती हैं। तमिल भाषा में एक कहावत हैं "अंबे शिवन, शिवन अंबे" जिसका अर्थ है शिव प्रेम हैं और प्रेम ही शिव है, सम्पूर्ण सृष्टि की आत्मा को ईश या शिव कहते हैं।

श्रद्धालु इस दिन रजस और तमस को संतुलन में लाने के लिए और सत्व (वह मौलिक गुण जिससे कृत्य सफल होते हैं) में बढ़ोत्तरी करने के लिए उपवास करते हैं। ॐ नमः शिवाय मंत्रोच्चारण की गूँज निरंतर होती रहती हैं। मंत्र उच्चारण वातावरण, मन और शरीर में पंच महाबूतों का संतुलन बनाता हैं। इस शुभ उर्जा को पृथ्वी पर लाकर हमारे स्वयं को और समृद्ध बनाने के लिए पारंपरिक अनुष्ठान किये जाते हैं, परन्तु भक्ति भाव सबसे महत्वपूर्ण है। पर्यावरण और मन के पांच तत्वों में सामंजस्य लाने के लिए ॐ नमः शिवाय का मंत्रोच्चारण किया जाता हैं।

सम्पूर्ण सृष्टि शिव का नृत्य है, सारी सृष्टि चेतना सिर्फ एक चेतना। उस एक बीज, एक चेतना के नृत्य से सारे विश्व में लाखो हजारों प्रजातियाँ प्रकट हुई हैं। इसलिए यह असीमित सृष्टि शिव का नृत्य है – "शिव तांडव";

वह चेतना जो परमानन्द, मासूम, सर्वव्यापी है और वैराग्य प्रदान करती है, वह शिव हैं। सारा विश्व जिस भोलेभाव और बुद्धिमत्ता की शुभ लय से चलता है वह शिव हैं। वे उर्जा के स्थिर और अनंत स्त्रोत्र हैं, वे स्वयं की अनंत अवस्था हैं, शिव सृष्टि के हर कण में समाएं हैं।

जैसे जल में स्पंज, रसगुल्ले में चाशनी, जब मन और शरीर शिव तत्व में तल्लीन होते है, तो छोटी छोटी इच्छाये बिना किसी प्रयास के पूर्ण हो जाती हैं, इसलिए व्यक्ति को बड़ी इच्छा रखनी चाहिए।

एक बार किसी ने प्रश्न किया शिवरात्रि ही क्यों? शिव दिन क्यों नहीं?

रात्रि का अर्थ वह जो आपको अपनी गोद में लेकर सुख और विश्राम प्रदान करे। रात्रि हर बार सुखदायक होती है, सभी गतिविधियां ठहर जाती हैं, सब कुछ स्थिर और शांतिपूर्ण हो जाता है, पर्यावरण शांत हो जाता है, शरीर कान के कारण निद्रा में चला जाता हैं। शिवरात्रि गहन विश्राम की अवस्था हैं। जब मन, बुद्धि और अहंकार दिव्यता की गोद में विश्राम करते हैं तो वह वास्तविक विश्राम है। यह दिन शरीर व मन की कार्य प्रणाली को विश्राम देने का उत्सव है।

वास्तव में रात्रि का एक और अर्थ भी है – वह जो तीन प्रकार की समस्या से विश्राम प्रदान करे वह रात्रि हैं। यह तीन बातें क्या हैं? शान्तिः, शान्तिः, शान्तिः। शरीर, मन और आत्मा की शांति, आध्यात्मिक, अधिभौतिक अदिदैविक। तीन प्रकार की शान्ति की आवश्यकता हैं, पहली भौतिक सुख, जब आपके आस पास गड़बड़ी हो तो आप शान्ति से बैठे नहीं रह सकते। आपको आपके वातावरण, शरीर और मन में शान्ति चाहिये। तीसरी बात हैं आत्मा की शांति। आपके वातावरण में शांति हो सकती है, आप स्वास्थ्य शरीर का और कुछ हद तक मन की शान्ति का भी आनंद ले सकते है लेकिन यदि आत्मा बेचैन हैं तो कुछ भी सुखदायक नहीं लगता। इसलिए वह शान्ति भी आवश्यक हैं। इसलिए तीनों प्रकार की शान्ति की मौजूदगी से ही सम्पूर्ण शान्ति प्राप्त हो सकती है। एक के बिना अन्य अधूरे हैं।

संस्कार-संस्कृति-चेतना

जो परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई हैं उसके लिए हम स्वयं जिम्मेदार हैं एवं इसका निवारण भी हमें स्वयं ही करना होगा। इस विषय में मंथन करने पर यह सोचा गया कि घर में शिशुओं में प्रथम से ही संस्कार संस्कृति के कुछ सरल एवं मूलभूत बिंदुओं को उनके जीवन में अगर उतारने का प्रयास किया जाए तो आने वाली संतति का संस्कारित रहने की संभावना प्रबल होगी। ये बिंदु है :

१) प्रारंभ से ही बच्चों का विद्यालय जाने से पहले स्नान करना।
२) स्नानोपरांत संक्षिप्त प्रार्थना।
३) त्योहारों एवं सभी मांगलिक अवसरों पर घर के बड़ों के पाँव छूकर प्रणाम करना।
४) गीता एवं रामायण का अध्ययन करना एवं उनकी कहानी पढ़ना।
५) स्तुति/मंत्र कंठस्थ करना।
६) भारतीय महापुरुषों की जीवनी पढ़ना।
७) घर में मारवाड़ी में बात करना।
८) हाय हेलो, बाय-बाय, गुड मॉर्निंग की जगह राम-राम, राधे-राधे का प्रयोग करना।
९) यथा संभव सप्ताह में एक बार मंदिर जाने की आदत डालना व त्योहारों पर पारंपरिक वेश-भूषा में परिवार के साथ मंदिर जरुर से जरुर जाना साथ ही रास्ते में त्योहारों के अतीत की कहानी को सुनना एवं सुनाना।
१०) सभी अभिभावक अपने आचरण के प्रति सजग रहे ताकि बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।
११) नवजात शिशु को मम्मी पापा की जगह माँ बाबूजी कहने की आदत डालना।

आप सब से यह विनम्र आग्रह है, कि सम्मेलन के संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम को एक अभियान में परिवर्तित करने के लिए सब मिलकर हर संभव प्रयास करें। शाखा, प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर इस संबंध में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को हर संभव प्रयास कराना हमारा पवित्र कर्तव्य है।

गणतंत्र दिवस का पालन

७६वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय, मारवाड़ी भवन हरमू रोड के प्रांगण में दिनांक २६ जनवरी २०२५ दिन रविवार को सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री बसंत कुमार मित्तल जी के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्री बसंत कुमार मित्तल जी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज/सम्मेलन मेरे लिए मां के समान है। जिस तरह मछली पानी के बिना नहीं रह सकती वैसे ही हमलोग या कोई भी व्यक्ति समाज के बिना जीवित नहीं रह सकता। समाज में समतामुलक समरसता की कमी देखने को मिल रही है यह चिंता का विषय है, समाज के सभी सदस्यों को आपसी वैमनस्य छोड़कर समाज को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए तथा समाज के आदरणीय सदस्यों एवं अभिभावकों का सम्मान करना चाहिए। हमारा प्रयास रहेगा कि अगले स्वतंत्रता दिवस पर सम्मेलन के अपने नवीनतम कार्यालय सिटी मॉल हरमू रोड में झंडोत्तोलन किया जायेगा।

इस पावन अवसर पर सम्मेलन के महामंत्री श्री रविशंकर शर्मा पूर्व महामंत्री श्री कमल केडिया उपाध्यक्ष श्री अरूण बुधिया, कार्यक्रम संयोजक श्री मनीष लोधा, कार्यालय मंत्री श्री श्याम सुंदर थे।

गणतंत्र दिवस पर स्टीरियों सेट एवं भोजन वितरण

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा २६ जनवरी पर गणतंत्रता दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

जिला अध्यक्ष श्री हरि शंकर मोदी के करकमलों द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। राष्ट्रीय पर्व के उपलक्ष्य पर दुमका सम्मेलन परिवार के सदस्यों द्वारा बालिका केयर होम में एक आहूजा का स्टीरियों सेट करीब ११०००/- के लागत का केयर होम प्रदान किया गया एवं सभी बच्चियों को भोजन कराया गया तथा नेत्रहीन विद्यालय में जिला दुमका सम्मेलन सदस्य द्वारा सभी बच्चों के बीच नास्ता का वितरण किया गया।

सम्मेलन परिवार दुमका शाखा लगातार सेवा कर अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। इस गरिमामय कार्यक्रम में सम्मेलन के सदस्यगण की उपस्थिति शानदार थी।

रायपुर शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस

२६ जनवरी २०२५ को छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन संबंध अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, रायपुर शाखा की ओर से रायपुर के चौबे कॉलोनी स्थित चिंताहरण हनुमान मंदिर उद्यान पर गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। जिसके मुख्य अतिथि चौबे कॉलोनी निवासी अशोक अग्रवाल जी थे, मुख्य अतिथि जी ने ध्वज फहराया तथा सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी, कार्यक्रम का आयोजन रायपुर शाखा के अध्यक्ष संजय शर्मा जी, उपाध्यक्ष आनंद अग्रवाल जी, कोषाध्यक्ष अशोक जैन जी, सचिव प्रवीण सिंघानिया जी, सहसचिव राकेश शर्मा जी प्रमुख ने किया, प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री अमर बंसल जी, कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी जी, उपाध्यक्ष सुनील लाठ जी, सदस्य कमलेश सिंघानिया जी प्रमुख उपस्थित थे।

दुर्गापुर शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, दुर्गापुर पश्चिम शाखा की ओर से श्री लक्ष्मी नारायण भवन, बेनाचिट्टी के प्रांगण में आज दिनांक २६.०१.२०२५, रविवार को गणतंत्र दिवस मनाया गया।

झंडत्तोलन के पश्चात समाज के बच्चों के बीच एक धार्मिक प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें ५ वर्ष से १० वर्ष तक के बच्चों का एक ग्रुप एवं दूसरे ग्रुप में ११ वर्ष से १६ वर्ष तक के बच्चों ने भाग लिया।

समाज के बच्चों ने मंच पर आकर श्लोक एवं मंत्र बोले। बच्चों को जज के द्वारा 1st, 2nd, 3rd का निर्धारण एवं सम्मान किया गया, और बाकी के सभी बच्चों को भी उपहार देकर सम्मान किया गया।

हमारे समाज के बच्चों में बहुत प्रतिभा छिपी हुई है, जिसे सिर्फ निखारने की जरूरत हैं। इस प्रतिभा को आज कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों ने जरुर महसूस किया होगा।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

नव गठित मारवाड़ी सम्मेलन गोहपुर-बिहाली शाखा का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

कल दिनांक १८ फरवरी २०२५, मंगलवार को मारवाड़ी सम्मेलन गोहपुर-बिहाली शाखा का 'शपथ ग्रहण समारोह' गोहपुर के श्री राम मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। सर्व प्रथम शाखा के प्रतिष्ठापक अध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, को मंचासिन करवाया गया। पश्चात सचिव श्री दीपक अग्रवाला ने मण्डल 'ग' के उपाध्यक्ष श्री छतरसिंहजी गिड़ीया, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री ओम प्रकाशजी प्रचार तथा श्री दुर्गा दत्तजी राठी सहित मण्डल 'ग' के विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारीयों को मंच पर आसन ग्रहण करवाया गया।

कार्यक्रम सूचि अनुसार भगवान राम मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित करके मंदिर के पुजारी जी द्वारा स्तुति के साथ गणेश वन्दना किया गया। सचिव दीपक अग्रवाला ने अध्यक्ष के निर्देश अनुसार उद्देश्य व्याख्या के साथ ही सभा में पधारे सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का स्वागत किया। अतिथियों का परिचय के साथ फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया तथा सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों ने स्वयं का परिचय देकर अतिथियों को अवगत किया। सभा को अध्यक्ष अजय अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री छत्तर सिंहजी गिरिया, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री दुर्गा दत्तजी राठी, श्री ओम प्रकाशजी पचार, नाहरलगन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जय कुमारजी जैन व शाखा सलाहकार श्री शंकर लालजी अग्रवाल ने संबोधित किया। तत्पश्चात नवगठित कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, सचिव श्री दीपक अग्रवाला, सलाहकारद्वय शंकर लालजी अग्रवाल एवं माखन लालजी मोर तथा सभी आजीवन सदस्यों और साधारण सदस्यों को मण्डलीय उपाध्यक्ष श्री छतरसिंह जी गिड़िया ने संविधानिक शपथ पाठ करवाया और उनके आजीवन सदस्यता का प्रमाण पत्र भी दिया। इस अवसर पर पाँच नये आजीवन सदस्यों ने भी अपने फॉर्म भर्ती करके जमा करवाए। उपरोक्त कार्यक्रम में प्रांतीय पदाधिकारी के अलावा निमंत्रित बिहपुरिया-नारायणपुर शाखाध्यक्ष श्री रवींद्र जी राठी, नाहरलगन-ईटानगर शाखा के सचिव श्री अनील जी जैन, उपाध्यक्ष श्री जयकुमार जी जैन, श्री कमल जी जैन, धेमाजी शाखा सचिव श्री बिष्णु जी बंसल की विशेष उपस्थित रही। कार्य दिवस, विवाह-शादी के मुहूर्त व कुम्भ स्नान की व्यस्तता व कार्य दिवस होने के बावजूद आज के कार्यक्रम में गोहपुर, राजावाड़ी, बरंगाबाड़ी, बाकोरी दलोनी, घाईगांव, गमिरि, बुरोईघाट व बोरगांग सहित कुल पैंतीस सदस्यों की उपस्थिति रही।

परिचय

नये शाखा अध्यक्ष

– अजय अग्रवाल
मारवाड़ी सम्मेलन,
गोहपुर-बिहाली शाखा

गोहपुर-बिहाली (असम) नवगठित शाखा के अध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल राजस्थान के मंगरासी (लोसल) के एक प्रतिष्ठित परिवार से है। इनका जन्म गोहपुर (असम) में २० दिसम्बर १९८० को हुआ है। अजय जी के माता-पिता का नाम श्रीमती सरिता देवी अग्रवाल व श्री केशर देव जी अग्रवाल (मोर) है।

इनकी प्रारम्भिक शिक्षा गोहपुर में हुई तथा इन्होंने बी कॉम दिकरंग कॉलेज तेजपुर से की है। ०७ जुलाई २००६ को इनका विवाह श्रीमती प्राची देवी से हुआ। उनके दो पुत्र है।

इनका मुख्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान मोर ब्रदर्स गोहपुर में अवस्थित है। यह प्रतिष्ठान करीब सवा सौ साल पुराना है। २००६ से यह अपने पिताजी के व्यवसाय में हाथ बंटाने लग गए। उन्होंने अपनी व्यवसायिक जिम्मेदारी के साथ साथ समाज सेवा में भी खुलकर भाग लिया। समय-समय पर वह विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़ते चले गये। गंगा गौ-शाला, दुर्गा पूजा कमेटी, राम मंदिर, पुरवाबरी शिव मंदिर, राधा कृष्ण व शनि मंदिर, बिहू सेंट्रल कमेटी आदि संस्थाओं में यह विभिन्न पदों पर आसीन हैं। आपने गोहपुर-बिहाली क्षेत्र के अन्तर्गत अपने आसपास के छोटे-छोटे गाँवों जिसमें गोहपुर, राजाबाड़ी, बरंगाबाड़ी, बाकोरी दालोनी, घाईगांव, गामिरि, बुरोईघाट, बोरगांव, डफलागढ, टोकोबाड़ी, कोलागुड़ी, सेरेलिया, बिहुमारी जैसे जगहों को जोड़कर वृहद् रूप में हर घर से सम्मेलन के सदस्य बनाने का बीड़ा उठाया है। आपका स्थानीय समाज के साथ काफी सुमधुर सम्बन्ध है।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष पद के लिए कैलाश काबरा पुनः निर्विरोध विजयी

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष पद सत्र २०२५-२७ के लिए कैलाश काबरा दोबारा निर्विरोध विजयी घोषित हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी निरंजन सिकरिया ने एक अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि प्रांतीय अध्यक्ष पद २०२५-२७ के चुनाव अधिसूचना के अनुसार १९ फरवरी २०२५ सायं ६ बजे तक कुल ३२ शाखाओं ने अपने उम्मीदवारों के नाम को प्रस्तावित कर भेजा है। प्रांतीय संविधान की धारा १८ (आ) के अनुसार उम्मीदवार के पक्ष में तीन या उससे अधिक शाखा द्वारा उम्मीदवार का नाम प्रस्तावित होना आवश्यक है। किंतु अन्य कोई उम्मीदवार का नाम नहीं रहने के कारण कैलाश काबरा को प्रांतीय अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध विजय घोषित किया गया। उल्लेखनीय है कि कैलाश काबरा २०२३-२५ सत्र के लिए भी प्रांतीय अध्यक्ष पद पर रहकर अपनी सेवाएं समाज को प्रदान कर रहे है। उनके नेतृत्व में मारवाड़ी सम्मेलन में कई नए आयाम जुड़े है। तथा कई नई शाखाओं का गठन हुआ। इनके नेतृत्व में बहु प्रतीक्षित महिला छात्रावास का

निर्माण कार्य शुरु हुआ। जिससे समाज में इनको काफी लोकप्रियता हासिल प्राप्त हुई। छात्रावास के निर्माण का जो कार्य अभी बाकी है उसे भी पूरा करने के उद्देश्य से प्रांत की सभी शाखाओं ने इन्हें पुन: अध्यक्ष पद के लिए भरपूर समर्थन दिया। कैलाश काबरा सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा के भी पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष (पूर्वांचल) पद पर भी ये अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष पद के लिए कैलाश काबरा का पुन: निर्विरोध विजयी होना समाज के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है। उनके नेतृत्व में सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जैसे महिला छात्रावास का निर्माण कार्य और नई शाखाओं का गठन। इन प्रयासों से समाज में उनकी लोकप्रियता और सम्मान बढ़ा है। २०२३-२५ सत्र के लिए भी उन्होंने उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप समाज को कई लाभ हुए। अब २०२५-२७ सत्र के लिए भी उन्हें सभी शाखाओं का समर्थन प्राप्त हुआ है, जो उनकी नेतृत्व क्षमता को और अधिक सिद्ध करता है। कैलाश काबरा की यह सफलता मारवाड़ी समाज के लिए प्रेरणादायक है।

मिसाल कायम

गोलाघाट (२१ फरवरी २०२५) स्व. रेखा लोहिया (धर्मपत्नी : श्री प्रमोद लोहिया) को छोटी पुत्री श्रीमती मानसी बजाज (नगांव के श्री अंकित बजाज की धर्मपत्नी एवं श्री अनिल बजाज एवं श्रीमती सविता बजाज की बहू) ने अदम्य साहस का परिचय देकर अपनी माँ को मुखाग्नि दी एवं समाज के सामने एक मिसाल कायम की। जिन दम्पति के सिर्फ पुत्रियां होती है उनके लिए यह एक अनुकरणीय उदाहरण है। मानसी ही अगले १२ दिन पुत्रवत अपनी माँ का कर्म-संस्कार करेगी।

हम इस पहल के लिए लोहिया परिवार एवम् उनकी पुत्री मानसी के साथ साथ उसके ससुराल पक्ष बजाज परिवार की सराहना करते हैं।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा द्वारा आयोजित चार दिवसीय लेदर बॉल क्रिकेट

मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा द्वारा आयोजित चार दिवसीय लेदर बॉल क्रिकेट का अतिसुन्दर आयोजन स्थानीय जजेज फील्ड में किया गया। सारी व्यवस्था किसी राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से कम नहीं थी।

१५ लीग मैच, २ सेमीफइनल और फिर फाइनल हुए। सभी टीम का उम्दा प्रदर्शन, अंत में कलाउड ९ टाइटंस ने बाजी मारी।

शाखाध्यक्ष श्री शंकर बिड़ला, उपाध्यक्ष श्री प्रदीप भुवालका, सचिव श्री अशोक सियोटिया, कोषाध्यक्ष श्री सूरज सिंघानिया के साथ आयोजन टीम के चेयरमैन श्री राहुल लोहिया, कन्वेनर श्री नवीन डागा, श्री रमेश दमानी एवं पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की उपस्थिति में गुजरात इकाई की बैठक

सूरत १५ फरवरी २०२५ : घोड़दौड़ रोड स्थित अग्रवाल समाज भवन के बोर्ड रुम में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा गुजरात प्रदेश प्रभारी माननीय श्री मधुसूदन जी सिकरिया की उपस्थिति में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज द्वारा स्वागत किया गया। मीटिंग में समाज उपयोगी अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें प्रतिभा सम्मान, वैवाहिक परिचय सम्मेलन, जनसेवा सम्मेलन, समाज में पनप रही कुरीतियों पर अंकुश, समाज के जरूरत मंदों की सहायता, मारवाड़ी समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर एकत्रित करना आदि विषय पर व्यापक चर्चा हुई। मीटिंग में प्रदेशाध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज उपाध्यक्ष गणपत भंसाली, सचिव विजय मित्तल, सूरत जिलाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, उपाध्यक्ष रमेश जी एवं राजा अग्रवाल, सदस्यता प्रभारी राजेंद्र अग्रवाल तथा हेमंत जी, नए जुड़े सदस्य आनंद जी केडिया, अदिति केडिया आदि की उपस्थित रही। श्री गोकुल बजाज ने सभी का आभार प्रकट किया।

प्रांतीय समाचार : तामिलनाडु

ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन कोलकाता की दक्षिण प्रांतीय शाखा तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन ने एमएन आई हॉस्पिट ल के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र जाँच शिविर का आयोजन रणजीत डॉ योगिता शाह परिवार द्वारा संचालित अविशा स्पाईल्स परिसर में किया गया।

महामंत्री मोहनलाल बजाज ने बताया कि इस शिविर में एमएनआई हास्पिटल के डाक्टरों की टीम ने नेत्र जाँच की सेवाएँ प्रदान की। सहमंत्री अजय नाहर ने बताया कि शिविर में कुल ९२ लोगों ने जाँच कराई। २३ जरुरतमंद लोगों को चश्मे वितरित किए गए। ४ लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर में अध्यक्ष अशोक केडिया, पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल, मुरारीलाल सोंथलिया व कृष्णकुमार नथानी आदि उपस्थित थे।

पंचायत की सफलता

सम्मेलन के सामाजिक पंचायत की मिली २३ वी सफलता कल दिनांक ६.२.२५ को दिन भर चले बैठक के बाद पंचायत ने माता पिता तथा १४ वर्ष की बच्ची के साथ पुनः परिवार को एक करने में सफलता पाई, पूरी पंचायत टीम तथा परिवार जन को बहुत बहुत धन्यवाद, इसमें उपस्थित सदस्य थे पंचायत प्रमुख श्री श्याम अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल, भवानी पटना जोन उपाध्यक्ष श्री दीपक गुप्ता, सचिव श्री किशोर अग्रवाल, श्री श्रवण अग्रवाल, श्री लालचंद चौधरी, लडुगांव अध्यक्ष श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, केसिंगा से श्री शंकर अग्रवाल, श्री रामोतार बंसल, मनुमुंडा से श्री जुगल अग्रवाल, आप लोगों के अथक प्रयास तथा परिश्रम से समाज में एक नई चेतना तथा जिम्मेदारी की पहल प्रारंभ होगी।

टिटिलागढ़ शाखा के अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल की भतीजी तथा सोहेला शाखा सचिव श्री मुकेश अग्रवाल के भाई के विवाह अवसर पर प्री वेडिंग न करने के निर्णय पर दोनों परिवार को सम्मानित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल तथा सोहेला अध्यक्ष श्री चंदकुमार टिटलागढ़ शाखा सचिव श्री विनोद मरोदिया तथा अन्य पदाधिकारी।

राजस्थानी भाषा को मान्यता देने का अनुरोध

राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री माननीय श्री अमित शाह जी को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से एक अनुरोध पत्र दिनांक ९ नवंबर २०२४ को भेजा गया था।

संस्कार-संस्कृति पर विचार

प्रिय श्री शिव कुमार जी

आपने अपने पत्र में मेरी राय पूछी थी कि नई पीढ़ी में हमारी संस्कृति का विकास कैसे किया जा सकता है। साथ ही आपने उन तीन बिंदुओं पर भी मेरी राय मांगी, जिन पर १३ और १४ मई २०२३ को गुवाहाटी में आयोजन पिछले अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में चर्चा हुई थी।

१. नई पीढ़ी में अपनी संस्कृति का विकास। हमें अपने भीतर आत्ममंथन करना होगा कि नई पीढ़ी की इस हालत के लिए वास्तव में कौन जिम्मेदार हैं। हम पुरानी पीढ़ी ने हमेशा युवा पीढ़ी को सिखाया है कि वे जिस भी क्षेत्र में हों, उसमें उत्कृष्टता हासिल करें। हमने उन्हें सिखाया कि उन्हें अपनी कक्षा में प्रथम आना चाहिए और जाहिर तौर पर हम अपने बच्चों की उत्कृष्ट ता पर गर्व करते थे। हम पश्चिमी संस्कृति की विलासिता और बाहरी खुशियों की आंख मूंदकर सराहना करते हैं।

२. मारवाड़ी हमेशा ईमानदार, बहुत मेहनती और बुद्धिमान लोग होते हैं।

३. पुरानी पीढ़ी ने युवा पीढ़ी में यह बीज दिखाया है कि जीवन की विलासिता और भौतिक सुख-सुविधाएं ही मायने रखती हैं। अब हम अपनी "शिक्षाओं" का फल प्राप्त कर रहे हैं।

४. अब इसे बदलने के लिए ताकि वे हमारी संस्कृति का सम्मान करना शुरु कर सकें, हमें उन्हें यह सिखाना होगा कि कैसे हमारे पिता, दादा या परदादा ने आने वाली पीढ़ियों को आराम देने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया था।

५. हम पितृसत्तात्मक समाज होने के नाते केवल पुरुषों के बलिदान के बारे में बात करते हैं लेकिन असली परिवार रक्षक परिवार की महिलाएं हैं। हमें युवा पीढ़ी को उनकी मां, दादी या परदादी के बलिदान के बारे में सिखाना होगा। यदि आप चाहें तो हम इस पर चर्चा कर सकते हैं।

६. मेरी राय में ये बिंदु पश्चिमी संस्कृति की नकल का सीधा परिणाम हैं। युवा पीढ़ी यह भी जानती है कि पुरानी पीढ़ी को अमीर वर्ग और पश्चिमी संस्कृतियों के नक्शोकदम पर चलने में खुशी मिलती है और इसलिए वे अति कर देते हैं। वें वे हैं जो अपनी अमीरी और सामाजिक प्रतिष्ठा दिखाने के लिए समाज के अमीर वर्ग का अनुसरण कर रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि इन समारोहों के लिए धन उधार नहीं लिया जाना चाहिए और यदि किसी के पास आयोजनों पर खर्च करने के लिए धन है तो आप इसे रोक नहीं सकते।

७. मारवाड़ी भाषा की पहचान – हमें ऐसी स्थिति बनानी है कि मारवाड़ी अपने मारवाड़ी होने का गौरव महसूस करने लगें।

मुझे लगता है कि हम ये कर सकते हैं और ये करना चाहिए। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ऐसा संगठन है जो ऐसा कर सकता है।

धन्यवाद

– सतीश झुनझुनवाला

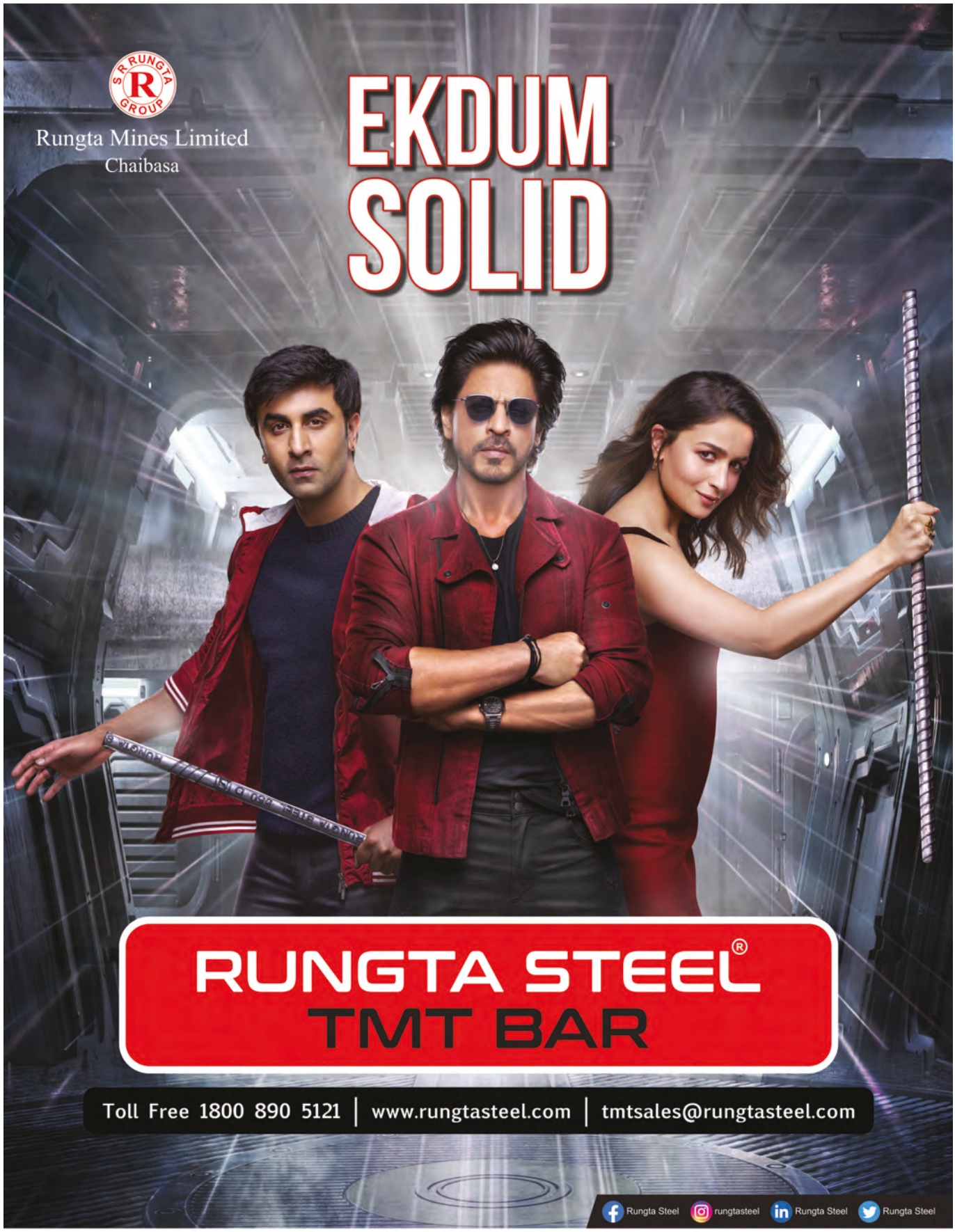

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

असम साहित्य सभा और मारवाड़ी

वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा स्थापित असम साहित्य सभा विश्व का संभवत: सबसे प्राचीन साहित्यिक संगठन है। इसकी स्थापना आज से १०८ साल पूर्व सन १९१७ में असमिया साहित्य एवं संस्कृति के विकास के लिए की गई थी। इस समय असम तथा अन्य राज्यों में इसकी एक हजार से भी अधिक शाखाएं हैं। राज्य के मारवाड़ी साहित्यकार-लेखकों का असमिया साहित्य सभा के साथ बहुत पुराना जुड़ाव रहा है। वर्ष १९३४ में हुए मंगलदै अधिवेशन में आनंद चंद्र अग्रवाला को साहित्य सभा के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौपी गई थी। साहित्य सभा के पाठशाला अधिवेशन के दौरान २ फरवरी को निकाली गई शोभायात्रा में इसकी एक झलक देखने को मिली। पाठशाला के मारवाड़ियों ने शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वयं को असमिया साहित्य-संस्कृति के महासमंदर में विलिन कर दिया। राजस्थानी परंपरागत परिधानों में लिपटे मारवाड़ी स्त्री-पुरुष असमिया-मारवाड़ी समन्वय की झांकी प्रस्तुत कर रहे थे। साहित्य सभा के इस अधिवेशन में पाठशाला मारवाड़ी समाज की सक्रिय भागीदारी उन लोगों के लिए आंखें खोल देने वाली है, जो असम के मारवाड़ियों को सिर्फ व्यापारी-व्यवसायी समझते हैं। प्रसंगवश: यहां इस बात का भी उल्लेख करना चाहूंगा कि ऐतिहासिक असम आंदोलन के उद्देश्यों को देशभर में बताने-समझाने के लिए असम के मारवाड़ियों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी।

असम साहित्य सभा के साथ मारवाड़ियों का जुड़ाव आज भी सर्वविदित है। छगनलाल जैन और वासुदेव जालान के नाम पर साहित्य सभा पिछले कई सालों से असम के चुने गए साहित्यकारों को पुरस्कृत करती आ रही है। साहित्य सभा के बरपेटारोड अधिवेशन की आयोजन समिति के अध्यक्ष के रूप में जीएल अग्रवाला ने अभूतपूर्व काम कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। आज के दिन ऐसे बहुत से मारवाड़ी युवा मिल जाएंगे, जो न सिर्फ शुद्ध और साफ लहजे में असमिया बोलते हैं, बल्कि असमिया भाषा में कविता, कहानी, नाटक आदि भी लिखते हैं। तन-मन से पूरी तरह असमिया हो चुके ऐसे लोगों को अपने गौरवमय अतीत और वीरता से भरे इतिहास पर भी गर्व है कि वे मारवाड़ी संप्रदाय के अंग होते हुए भी मन और मस्तिष्क से वृहत्तर असमिया समाज की एक महत्वपूर्ण इकाई हैं। असम के मारवाड़ी भी अब यहां के साहित्य-संस्कृति में रच-बस गए हैं। यहां के मारवाड़ियों का सीना तब और चौड़ा हो जाता है, जब वे स्वयं को असमिया समाज का ही एक अंग बताते हैं। राज्य के बहुत से संगठन, संस्थान आदि के साथ यहां के मारवाड़ियों का भी अटूट संबंध रहा है। असमिया साहित्य-संस्कृति में बहुत से मारवाड़ियों का अमूल्य योगदान रहा है। यहां के मारवाड़ी लेखकों द्वारा असमिया भाषा में लिखी पुस्तकों को आज भी बड़े सम्मान के साथ देखा व पढ़ा जाता है। रूपकोंवर ज्योतिप्रसाद अग्रवाला ने असमिया साहित्य में जो वृक्षारोपण किया था, असमिया साहित्यकार आज भी उनकी छांव तले सुस्ताते-आराम करते नजर आते हैं। स्वाधीनता आंदोलन के समय रूपकोंवर की रचनाएं-कविताओं ने युवाओं के हृदय में देशप्रेम का जोश भरने का काम किया था। इसके अलावा हम चंद्र कुमार अग्रवाला का भी जिक्र कर सकते हैं, जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से असमिया साहित्य को समृद्ध करने का काम किया है। इसके अलावा डॉ. निर्मल साहेवाल, किशोर कुमार जैन, कमल कुमार जैन, स्व. रामनिरंजन गोयनका, नंदकिशोर माहेश्वरी, देवीप्रसाद बागड़ोदिया, कपूर चंद पाटनी, धेमाजी की विनीता चौधरी गाड़ोदिया, नलबाड़ीके सुनील कुमार शर्मा आदि साहित्यकार अपनी लेखनी-रचनाओं से असमिया साहित्य-संस्कृति को समृद्ध करते रहे हैं।

वर्ष १९१७ में शिवसागर में साहित्य सभा के संस्थापक अध्यक्ष पद्मनाथ गोहाई बरुवा की अध्यक्षता में असम साहित्य सभा का पहला अधिवेशन हुआ था। शरत चंद्र गोस्वामी इसके पहले सचिव थे। एक सदी से अधिक पुराने इस साहित्यिक संगठन का असम के जनजीवन में सर्वाधिक प्रभाव रहा है। असम साहित्य सभा ने सदैव एक अभिभावक संगठन की भूमिका निभाई है। तत्कालीन असम विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. प्रणव कुमार गोगोई ने असमिया लोगों को 'खिलंजिया' की परिभाषा का निर्धारण करने के मुद्दे पर जब असम के ५३ विभिन्न संगठनों के साथ परामर्श किया था, उन संगठनों की सूची में असम साहित्य सभा का नाम भी शामिल था। राज्य में साहित्य से जुड़े माहौल को बनाए रखने, अन्य भाषा-साहित्य के बीच समन्वय स्थापित करने, पुस्तकों के अनुवाद-प्रकाशन आदि में असम साहित्य सभा अपने स्थापना काल से ही एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है और उसकी यह यात्रा आज भी जारी है।

– गोपाल जालान

१०८, एम जी रोड, फैंसीबाजार

गुवाहाटी - मोबाइल : ९४३५१-०३९७७

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आलेख

निवेश और उद्योगों के लिए भी जरूरी है राजस्थानी भाषा

– राजेन्द्र जोशी
शिक्षाबिद-साहित्यकार

बीते दिनों संपन्न हुए राजस्थान के सबसे बड़े निवेश सम्मेलन 'राइजिंग राजस्थान' में राजस्थानी भाषा को लेकर उम्मीद की नई किरण जागी। इस दौरान प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति में देश के बड़े उद्योगपतियों ने स्पष्ट संकेत दिया कि इस महत्वपूर्ण निवेश योजना में राजस्थानी संस्कृति और राजस्थानी भाषा की साझेदारी भी आवश्यक है। यहां तक कि तीन प्रमुख निवेशकों ने तो अपना संबोधन राजस्थानी भाषा के खम्मा घणी से ही प्रारंभ किया, जिसके बिना राजस्थान अधूरा हैं। महिंद्रा समूह के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा ने जयपुर में महिंद्रा वर्ल्ड सिटी से जुड़े अनुभव बताये हुए मारवाड़ी में कहा कि 'जे नहीं देख्यो राजस्थान जग में आके केकरयो।' उनका आशय था कि अगर राजस्थान नहीं देखा, राजस्थान की भाषा व संस्कृति नहीं समझी, और उस पर भरोसा नहीं किया तो फिर दुनिया में क्या देखा?

वेदांता समूह के संस्थापक अनिल अग्रवाल ने भी राजस्थानी में ही राम-राम सा और खम्मा घणी से अपना संबोधन शुरु किया। देश के सबसे पुराने उद्योगपति और आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला ने पधारो म्हारे देश से बात शुरू करते हुए कहा कि वह मेहमान नहीं, मेजबान हैं। राजस्थान से उनका नाता पीढ़ियों से रहा है। इस जुड़ाव के कारण ही विश्व में राजस्थान के एंबेसडर के रूप में उनकी पहचान है।

हमें इन उद्योगपतियों के इन वक्तव्यों को संबोधन मात्र समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। बल्कि यह उनका स्पष्ट संकेत है कि अब वे राजस्थानी संस्कृति और राजस्थानी भाषा के माध्यम से ही यहां उद्योग-धंधे स्थापित करने और निवेश की इच्छा रखते है। खुद प्रधानमंत्री जी भी चुनाव के दौरान अनेक बार यहां की भाषा में बात शुरू करते रहे हैं। यहां के देवी देवताओं को धोक लगाते हैं। ऐसे में अब हमारे सांसदों की जिम्मेदारी बनती है कि वे प्रधानमंत्री जी को उद्योगपतियों की भावना से अवगत कराएं और निवेशकों के हृदय में स्थापित राजस्थानी भाषा साहित्य व संस्कृति के महत्व को बताने का प्रयास करें।

लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों के संचालन की जिम्मेदारी राजस्थान से आने वाले प्रतिनिधियों को सौंपकर प्रधानमंत्री मोदी पहले ही राजस्थान पर अपने संपूर्ण भरोसे को जाहिर कर चुके हैं। यह वह दौर है जब राजस्थान केंद्र में अभूतपूर्व रूप से मजबूत हैं। लेकिन इसके बावजूद यदि प्रधानमंत्री मोदी को राजस्थानी भाषा के महत्व और आवश्यकता से अवगत नहीं करवाया गया तो यह राजस्थान का दुर्भाग्य ही होगा।

राजस्थानी को भाषा का दर्जा दिलवाने की मांग अकारण या निराधार नहीं हैं। दरअसल राजस्तानी भाषा होने के हर मानक पर खरी उतरती हैं। राजस्थानी के पास विपुल शब्द भंडार है, अपना शब्दकोष है, व्याकरण है एवं समर्थ साहित्य उपलब्ध हैं। वेलि कृष्ण रुकमणी री, जैसा अद्भुत ग्रंथ, जिसे पांचवा वेद कहा जाता है, राजस्थानी में ही सुलिखिति हैं। राजस्थानी भाषा की सभी विधाओं में बराबर काम हो रहा है और इसे स्कूल शिक्षा, कॉलेज शिक्षा और पीएचडी में भी पढ़ाया जाता हैं। राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए सबसे पहली मांग १९३६ में दीनापुर सम्मेलन में उठी थी। जिसको अब तक अनसुना किया गया हैं। हालाँकि २००३ में राजस्थानी विधानसभा ने सर्वसम्मति से राजस्थानी मान्यता देने के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा था। लेकिन वह भी ठंडे बस्ते में हैं।

राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने की जिम्मेदारी राजस्थान सरकार की भी हैं। गहलोत सरकार के समय तत्कालीन राजसमंद सांसद दिया कुमारी ने बजट सत्र में राजस्थानी को राजभाषा बनाने हेतु प्रस्ताव लाने की मांग रख दी थी। सौभाग्य से आज प्रदेश को नारी-शक्ति के रूप में उन जैसी उपमुख्यमंत्री मिली हैं, जिनके पास वित्त जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी हैं। ऐसे में उनसे उम्मीद की जाती है कि अगले बजट में वे राजस्थानी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव पेश करेंगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम! राम!!

– **कैलाश पति तोदी**, राष्ट्रीय महामंत्री

आलेख

छोटे शहरों-गाँवों में समाज के कुँवारे युवाओं की बढ़ती फौज

– डॉ. पवन पोद्दार

गाँव-देहात, छोटे कसबों, शहरों में समाज के कुँवारे युवाओं की संख्या एवं उनकी उम्र बढ़ती जा रही हैं। क्या विडम्बना है कि – घर-मकान, जमीन-जायदाद, जेवरात है, बड़े-बड़े व्यवसाय, उद्योग, आमदनी भी है। लड़का पढ़ा-लिखा है, स्वस्थ-सुन्दर, होशियार होनहार है तब भी न तो लड़की गाँव में शादी करना चाहती है न ही अभिभावक चाहते हैं. और तो और गाँव-देहात की साधारण लड़की की प्राथमिकता भी शहर ही है। शहर की चकाचौंध में सम्बन्ध के अन्य पहलुओं यथा – आर्थिक स्थिति, खान-दान, चाल-चलन, संस्कार, स्वास्थ्य, योग्यता यहाँ तक कि गोत्र को भी नजरंदाज कर देते हैं। गाँव की खुली हवा, स्वस्थ वातावरण, बड़े-बड़े मकान की तुलना में वो शहर के तंग मकानों एवं अस्वस्थ वातावरण को अधिक महत्व देते हैं।

परिणाम होता है – बेमेल शादियाँ! इनकी संख्या बढ़ रही हैं। या तो लड़का योग्य-लड़की अयोग्य या फिर लड़का अयोग्य-लड़की योग्य। कलह, तनाव, अवसाद, तलाक, दु:खी दाम्पत्य जीवन की संख्या लगातार समाज में बढ़ने का एक कारण यह असंतुलन भी है।

जबकि गहराई से सोचा जाए तो इंटरनेट, डिजिटल युग में अब क्या तो गाँव और क्या शहर? शहर के लोग तनाव दूर करने गाँव की ओर रुख कर रहे हैं बड़े उद्योग भी गाँवों में ज्यादा लाभकारी है। २०-३० कि.मी. की दूरी पर यदि शहर है (प्राय: होता है) तो गाँव वाले सम्पन्न परिवार शहर की सभी सुख-सुविधा का उपभोग करते हैं। शहर में आर्थिक तंगी से घूट-घूट कर जीवन व्यतीत करने से कहीं अच्छा है गाँव की सम्पन्नता में जीना। गाँव के सम्पन्न परिवार शहरों के नीजी वाहन से नियमित भ्रमण, शहरी स्कूलों में बच्चों का नामांकन करा सकते हैं। इनका रहन-सहन, खान-पान का स्तर हमेशा उच्च रह सकता है। शादी-विवाह, पार्टी, पर्व-त्योहार आदि अवसरों पर ये स्त्रियों की मानसिकता अनुसार महंगे परिधान, जेवर, लेन-देन आदि की जरुरतों को पूरा कर सकते हैं। केवल शहर के नाम पर असम्पन्न परिवार में गई बच्ची एवं उनके माता-पिता ऐसे अवसरों पर केवल मन कचोट कर रह जाते हैं।

शादी के पूर्व शहर की मानसिकता लिए लड़की पक्ष को यह विचार आता है कि शादी पश्चात होने वाले बच्चों की शिक्षा शहर में अच्छी होगी। लेकिन प्राईमरी स्तर पर कम से कम आज भी गाँवो में शिक्षा का ठोस आधार मौजूद है। अधिकांश महानपुरुषों की प्ररम्भिक शिक्षा गाँवों में ही हुई है। आज भी गाँव से सेकेन्डरी तक पढ़कर आये युवा शहरी युवा की तुलना में ज्यादा उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। समाज के वैसे युवा जो IAS, IPS, IIM, IIT, CA जैसी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं उनकी पृष्टभूमि भी गाँव की ही सुनने में आती है। DPS, DAV और भी अच्छी-2 स्कूलें शहर से दूर गाँवों की ओर स्थापित हो रही हैं। नये उद्योग गाँवों में लग रहे हैं। सड़कों का जाल गाँव-शहर के अन्तर को समाप्त कर रहा है। कई शहर तो १०-१५ कि.मी. गाँव तक मिलकर एक हो गये है।

हाँ! अच्छी स्वास्थ सेवाओं के मामले में गाँवों में अभी भी दिक्कत है लेकिन रेल-सड़क के नेटवर्क के कारण पहले जैसे परेशानी नहीं है।

अब विकसित देशों की तरह समय जल्द आयेगा कि सम्पन्न लोग निवास गाँव में करेंगे व्यवसाय शहर में।

अत: समाज को अपनी मानसिकता में परिवर्तन कर लड़की की शादी गाँव में भी करने को तैयार होना चाहिए अन्यथा सदियों पुरानी यह कहावत निरर्थक रह जायेगी –

"जहाँ न जाये गाड़ी – वहाँ जाए मारवाड़ी"

बल्कि यह कहा जाने लगेगा कि –

"मारवाड़ी वहीं पाया जायेगा – जहाज जहाँ जाया जायेगा।"

इसके दूरगामी परिणाम और भी खतरनाक साबित होंगे। उद्योग-व्यवसाय के लिए विश्वविख्यात इस समाज की पकड़ समाप्त हो जायेगी।

समाचार सार

बद्री नारायण को मिला महाकवि कन्हैया लाल सेठिया कविता सम्मान

१ फरवरी २०२५ – साहित्य और कविता के सम्मान का प्रतीक बन चुके महाकवि कन्हैया लाल सेठिया कविता पुरस्कार के १०वें संस्करण में प्रसिद्ध कवि बद्री नारयण को उनके साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (JLF) २०२५ के दौरान आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

इस वर्ष के सम्मानजनक जूरी पैनल में साहित्य और कला जगत की जानी-मानी हस्तियां शामिल थीं – संजोय रॉय, जयप्रकाश सेठिया, नमिता गोखले, रंजीत होस्कोट और सिद्धार्थ सेठिया। जूरी ने कई उत्कृष्ट काव्य संग्रहों की समीक्षा के बाद बद्री नारायण को विजेता घोषित किया।

पुरस्कार समारोह की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति रहीं। उन्होंने बद्री नारायण को सम्मानित करते हुए कहा, "कविता केवल शब्दों का मेल नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं और सत्य का दर्पण होती है। बद्री नारायण जी की कविताएं विचारों को झकझोरती हैं और मानवीय भावनाओं को गहराई से छूती हैं। यह पुरस्कार उनके साहित्यिक योगदान के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है।"

बद्री नारायण ने इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, "महाकवि कन्हैया लाल सेठिया का नाम हिंदी साहित्य में अमर है। उनकी स्मृति में यह पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए गर्व और भावनात्मक प्रेरणा का क्षण है। कविता केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण और परिवर्तन का माध्यम भी है।"

पिछले दस वर्षों में महाकवि कन्हैया लाल सेठिया कविता पुरस्कार भारतीय साहित्य में एक प्रतिष्ठित पहचान बन चुका है। यह पुरस्कार उन कवियों को सम्मानित कहता है जो अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में गहरी छाप छोड़ते हैं। श्री जयप्रकाश सेठिया ने महाकवि की कविताओं को प्रकाशपुंज और समाज को युगों-युगों तक दिशा देने वाली बताया।

कविता

हमारे संस्कार हमारी धरोहर

– शशि लाहोटी, कोलकाता

हमारे संस्कार, धरोहर हमारी, हमारी ये पहचान है।
नई पीढ़ी तक उसे पहुँचाएं, रखना इसका ध्यान है।

सूर्योदय से पूर्व जागना, करें धरा माँ को प्रणाम।
दोनों हथेली दर्शन कर, लक्ष्मी, सरस्वती, गोविंद ध्यान।

सर्वप्रथम करना स्नान, सूर्यदेव को अर्घ्य दान।
बड़, पीपल, तुलसी सींच, प्रभु समक्ष आरती गान।

मात-पिता को नित प्रणाम, आशीष उनका होता वरदान।
आदर सदा बड़ों का करना, छोटों का भी रखना ध्यान।

भोजन से पहले हाथ जोड़, अन्नदेव को करें प्रणाम।
परोपकार का रखकर भाव, हर वर्ग का करें सम्मान।

अतिथि मान देव समान, प्रकृति है अमूल्य वरदान।
नदियाँ भी रहे स्वच्छ, पूजा का बना हुआ विधान।

पहली रोटी होती गाय की, कबूतर को देते हम दाना।
हर जीव में ब्रह्म वास है, रखना सदा दया भावना।

मायड़ भाषा में बात कर, घर से इसकी शुरुआत करें।
हेलो हाय न कह कर मुख से, राधे-राधे, राम-राम करें।

माँ-बाबूजी का हो संबोधन, त्योहारों पर परंपरागत पहनावा।
बच्चों के साथ जाएं मंदिर, धर्मग्रंथ पढ़ने का दे बढ़ावा।

हर रिश्ते की होती मर्यादा, त्योहारो की बात निराली।
जब हो परिवार एक साथ, सब मुख छाती खुशहाली।

अन्याय का न देना साथ, सच की होती जीत सदा।
श्रीकृष्ण का गीता ज्ञान, कर्म हीं होता बड़ा सर्वदा।

नई पीढ़ी में संस्कारों के, बीज हमें अब बोना हैं।
हमारी अमूल्य धरोहर को, मिलकर फिर संजोना हैं।

अहंकार

– डॉ. अर्जुन सिंह शेखावत 'पद्मश्री'

जलम माइत दीयौ
नाम दूजा धरीयौ
सिक्सा गुरू दीनी
रोजगार दूजा दिरायौ
पेलौ सिनान दूजा करावै
पोसाक दूजा सिलाई पैराई
इज्जत दूजा सूं मिली
छोलो सिनान लोग करावे
मसाण दूजा इज लेजावे
दूजा रे कांधै चढ़ जावै
लायो दूजा ईज लगावे
लारे धरवकरी लोग बांट खावे
खाली हाथ आया खाली हाथ इज जावै
रोवता जलाया, रोवाड़ता जावै
तो पण घमंड-अहंकार क्यू आवै।

मां

– डॉ. अर्जुन सिंह शेखावत 'पद्मश्री'

टूंडे ऊंडे दरीयाव सी
डाकी डकरेल डीधै
हिमालै सूं ऊंची
मां
कदै खारी कदै मीठी, कदै अलूणी
ठंडी आइस्क्रीम-सी
मां
दूद दही माखण मिश्री
तो कदै चरकी चटनी सी
पोदीना सी मां
झाड़ू पोचा करती
बैवती निवोर-सी
मां
धरती सूं निसरती
सौंधी गंध उसांसा-सी
मां
हिये हेज त्याग रौ समंद
ममता री मूरत सी
मां
किणी री कदै बैन
कदै जोड़ायत
कदै बणीं दादी है
मां
कदै ही भाखर सी
मां
अवे धुड़ती जावै
रेतीला धोरां-सी
मां
दूदीया केसां री
जिल्द में
मुहडा रो सलवटा में
काणियां पहेल्यां
सावरिया बैठी है
माँ अमर सबद है मां
पूरी बारखड़ी भासा है मां
आ इज परिभाषा है मां
पण अबे कोनी टेम बेटा ने कठै है मां।

जोखौ (जोखम)

म्हे जदै ई धरूं बारै जाऊं
धण सूं माथौ उतारने
हथाली मायै मेलने चालू
क्यूंक काई ठाह कद कार बस, ट्रक
सूं कचरीज जाऊं ठाह कोनी
कद कोई आतंकी धड़ाकौ बोलाय दे
इण वास्तै पाहौ घरे बवडू
जद माथौ पाहौ हो जठै मेल दू
संझारा सैगा रा माया पाद्दा गिण लूं
कठेई कोई गम्यौ तो नीं

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री अजित अग्रवाल विजयबाड़ा आंध्र प्रदेश	**श्री अमित कुमार जैन** मे. मल्टी प्लाई, एम.जी. रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री अनिल कुमार छाजेर** मे. राघव ट्रेडर्स, मेन रोड, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री अनराज राजपुरोहित** मे. पवन अपटिकल्स, गोगाभानी स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री अर्जुन कुमार मिश्रा** गांधी बोम्मा रोड, भवानीपुरम, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री अर्जुन सिंग राजपुरोहित चितुरि कम्पालसन कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री अर्जुन सिंग राजपुरोहित** मे. शिवा अपटिकल्स, राम मंदिरम एलुरु रोड, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री अर्जुन सिंग राजपुत** मे. मरुधर सिलभार, जय हिंद कमप्लेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री अरुण केडिया** मे. यूनिभर्सल ट्रेडिं कं., सूर्य वाग, विशाखापट्टनम्, आंध्र प्रदेश	**श्री आशिष कुमार गिलडा** बाभाजीपेट, दुर्गापूरम, विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री अशोक कुमार गुप्ता बम्मा रोड, भवानीपुरम कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री अशोक कुमार जैन** मे. सुरज लाइट कॉर्पोरेशन, पार्क रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री आशु राम देवासी** मे. मरुधर मार्केटिंग, ताभा बारी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री बाबु लाल चौधरी** मे. श्री राजेश्वरी मोबाईल, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री बेसरा राम देवासी** बालोरा लिरुल हाउस, नालमान्डु लेन, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री भगवत सिंग देवरा मे. श्री दुर्गा सिलभर पेलेस श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री भैरा राम चौधरी** मे. परियाणा स्पेशल जेलेवी, यूनियन बैंक के पास, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री भजन लाल बिष्णोई** मे. तिरुपथी स्टील, गोलापुया, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री भारत कुमार जैन** मे. महावीर गोल्ड, राजागोपालोचारी स्ट्रीट, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री भारत कुमार प्रजापत** मे. मा सुंधा माता, सिल्भर पेलेस, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री भारत लोया बासुदेव ट्रेडर्स, कंदुलावरी स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री भारत राजपुरोहित** स्टार मोबाईल ७ रोड, जे.एन. श्रीकाकुलम, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री भवर लाल जैन** मे. अंबिका एन्टारप्राइजेज, चेतला बाजार, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री भवर लाल मली** मे. बालाजी फ्लावर्स, पुलिपति बारि स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री भीम सिंघ राजप्रोहत** गजपथि रेसिडेंसी, झोतापालिम, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश
श्री भीमा राम देवसी मे. ओम स्टील कर्पोरेशन, भवानी पुरम, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री भोला राम देवसी** मे. जे.एम. कम्पूटर्स, एलुरु रोड, आरामदलपेत, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री बिजा राम देवसी** पुलिपतिभरि स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री चेतन सिंग राजपुत** मे. महावीर सिलभार पेलेस, जय हिंद कम्प्लेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री छगन लाल सुथार** सिमला नगर १० लाईन, गुनटुर, गुनटुर, आंध्र प्रदेश
श्री दहिया सेतम सिंघ मे. मा लक्ष्मी टैलरिंग, कालिंगा रोड, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री दलाराम चौधरी** कंग्रेस ऑफिस रोड, अरुनदलपेत, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दलराम सुथार** जैन कलोनी गोलापारि, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दलपत सिंग रावण राजपुत** मे. रयाल जुयेलर्स, पुलिपाति बारी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दिलीप कुमार घानची** मे. श्री कल्यानी मोबाईल, जी.एन.आर. कम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री दिलीप कुमार जैन मे. प्लाईवुड सेंटर, एम.जी. रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दिलीप कुमार जैन** मे. बिशाखा ज्यूवेलर्स, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री दिनेश गुप्ता** मे. कलम्बो ईलेक्ट्रीकल्स, झंडा छेड्डु रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दिनेश कुमार** कस्तुवा निवास, भवानी पुरम, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** मे. नंदिनी मेडिकल्स, राकेश प्लाजा, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री दिनेश कुमार जैन मे. जे.आर.ज्यूवेलर्स प्रा. लि. कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दिनेश कुमार जैन** मे. अंबिका प्लाईवुड, अलिभाग स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दीपा राम देवासी** कतुरीवरी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दीपक कुमार बुबना** मे. राधे कृष्ण प्लास्टिक्स, कनुरु, विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दीपक कुमार प्रजापत** मे. बालाजी सिलभार पेलेस, जय हिंद कम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री दुंगा राम देवासी मे. एम.लाईट्स ईलेक्ट्रिकल, अपारको स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री दुंगार राम चैन** मे. अनिथा अप्टिकल्स, रहमन स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गनेश राम मली** मे. प्रकाश मोबाईल्स एन्ड असेसरीस, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गनेश राम सुथार** सम्बा मुरथी रोड, गांधी नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गनेश राम राजपुरोहित** मे. हिटेक मोबाईल्स, धन लक्ष्मी कम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री गनपत लाल चौधरी होटल दाबागार्डेन्स, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री गनपत लाल पुरोहित** ७-८-३५/२, ब्लक-बी, अटो नगर, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री गनपथ लाल चौधरी** अशोक नगर बंदर रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गनपथ सिंग राजपुरोहित** मे. शिव शक्ति, जिंक कम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गतमी चांद सुथार** मे. रामदेव फैन्सी स्टोर्स, कृष्णा बाजार, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री गौरव मोर गणपति ग्रानाइट, निम्मादा, श्रीकाकुलुम, आंध्र प्रदेश	**श्री गेना राम चौधरी** मे. चिराग स्टील, रामा टकीस लेन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री घेवर राम प्रजापत** मे. धनलक्ष्मी सिलभार, जय हिंद कम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गिरधारी लाल चौधरी** मे. श्री गनपती मोबाईल कम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गोदा राम चौधरी** मे. शिव मोबाईल, शॉप नं.३, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री गोपाल बियानी मे. बिनित इनवेस्टमेन्ट, हारु साहेब स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री गोपाल कुमार सिंधी** शॉप नं.- १५०, महेंद्र नगर, गोलापुड़ी, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गोपाल शर्मा** मे. धनलक्ष्मी सिलभार, जय हिंद कम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गोविन्द कुमार शाबु** मे. भगवती ज्वेलर्स, सिभलयाम स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री गुलाब सिंह राजपुत** मे. महावीर मेटल, गांधी नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री गुमान सिंह राजपुरोहित मे. संतोष पेपर एजेन्सी, ए.एस. रोड, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री हंसा राम सुथार** गोलापुरी जैन कलोनी, विमलासेक, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री हरि राम सुफर्र** विमलाचल ।।।, ५०३ जैन कालोनी रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री हरि सिंह बलावत राठौर** महालक्ष्मी नुर हाल, मेन रोड, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री हरि सिंह राजपुरोहित** मे. हाई टेक मोबाइल, अरूदलपेट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
श्री हरिचंद्र खत्री मे. सिद्धी विनायक ज्वेलर्स, जैन काम्पलेक्स, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री हरि कृष्ण गोयल** मे. भाई होमडेकोर, वाल्टेयर रोड, विशाखापट्टनम,आंध्र प्रदेश	**श्री हरिश कुमार प्रजापत** कृष्णा मोबाइल एसेसरिज, कलिंगा रोड, श्रीकाकुलाम, आंध्र प्रदेश	**श्री हेम सिंह राजपुत** मे. जगदम्बा मोबाईल, जी.एन.पर काम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री हिमांशु आर मेहता** सुजुकी, वी.डी. पुरम, भवानीपुरम, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री हीरा लाल राजपुरोहित मे. महादेव टेक्नोलॉजीज, इलुरु रोड, के नजदीक, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री हितेन्द्र सिंह राजपुरोहित** मे. सुभांसु आपटिक्स, हलुरु रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री जन सिंह राजपुरोहित** मे. श्री महादेव आपटिकल्स, इलुरु रोड, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री जब्बर सिंह चौहान** मे. बालाजी टी ट्रेडर्स, अल्लीपुरम, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री जगतावर सिंह राजपुरोहित** मे. पूजा हार्डवेयर एन्ड ग्लाफ हाउस, मेन रोड, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश
श्री जलम सिंह ए जडेजा मे. मंजु किराणा स्टेट, भाव नारायण स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री जरलराम सुथार** मनी कोंडा वारी स्ट्रीट, जैन मंदिर के नजदीक, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री जेताराम चौधरी** मे. महालक्ष्मी मोबाइल एसेसरिज, ए.वी. टावर्स, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री जितेन्द्र कुमार साह** हड्डु साहेब वारी स्ट्रीट, झंडा चेता रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री जोगा राम माली** मे. बालाजी डेकोरेसंस, भावना शयमा स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री कालु राम सुथार मे. विष्णु इलेक्ट्रीकल्स, मेन रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री कमल बैद** ३ए, बालाजी मेगलगिरी चैम्बर, श्रीपुरम, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री कमल किशोर भट्टड़** भट्टड़ ओवरसीज हिन्दुस्तान मार्केट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री कमल किशोर तिवाड़ी** श्री विल्लयम अपार्टमेंट, मेल राय सेंटर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री कांति लाल खत्री** मे. प्रीति ज्वेलर्स, महालक्ष्मी काम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री कपिल अग्रवाल अम्मा रेसीडेंसी, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री कपुरा राम चौधरी** मे. लक्ष्मी ट्रेडर्स, भाव नारायण स्ट्रीट, विजयबाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री कर्मी राम चौधरी** श्री देवा कास्टिंग, गरनौरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री कार्तिक शर्मा** बी. आर.पी. रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री केशार राम चौधरी** मे. पटेल स्पेयर्स पार्टस, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री केशर सिंह राजपुत मे. आशापुरा सिल्वर प्लेस, गवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री खांगड़ सिंह राजपुत** मे. रातपुताना सिल्वर, राजा गोपालचरी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री खेसा राम चौधरी** मे. चौधरी मेटल, संबमुर्ति रोड, गांधी नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री खेता राम प्रजापत** मे. रामदेव सिल्वर प्लेस, गोल्डेन पालाजा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री कृष्णा राम सुथार** विमलाचल-३, ५०३, जैन कालोनी रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री किशोर कुमार जैन मे. मिलियन ट्रेडिंग कं., कोठरपेट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री कोठारी राजेश कुमार** संभर टावर, मेन रोड, सालीपेट, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री कृष्णा कुमार चौधरी** मे. श्री मोबाईल्स, एन.टी.आर. काम्पलेक्स, गवर्नपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री कुलदीप सिंह** ५१, विजय लक्ष्मी टावर, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री कुपाराम चौधरी** श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश
श्री लाख सिंह राजपुत मे. राजलक्ष्मी सिल्वर, गवर्णरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री लक्ष्मण राम कुमावत** मधुनरी वारी स्ट्रीट, गांधी नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री लक्ष्मी निवास तोसनीवार्ल** कृष्णा रोड, कस्तुरी बाई पेटा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री ललित कुमार सुथार** विमलाचल-३, गोलापुडी जैन कालोनी, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री लक्ष्मण सिंह देवड़ा** मे. साई लक्ष्मी गणपति लाईट, अलीपुरम रोड, विशाखापट्टनम, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री मदन लाल देवासी स्प्रींग रोड के नजदीक, पूर्णा मार्केट, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री मदन लाल सुंदेशा (माली)** कंदुलवारी स्ट्रीट, वन टाउन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री माधव झँवर** मे. न्यु पूजा एजेंसी, अब्दुल आजम स्ट्रीट, कोठापेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री मधु सिंह राजपुत** मे. महादेव सिल्वर, जय हिंद काम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री मधु सुदान इनानी** मे. इनानी ट्रेडिंग कार्पोरेशन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
श्री महावीर कुमार जैन जय हिंद काम्पलेक्स, गवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री महेंद्र कुमार जैन कानुगा** मे. स्वाथ इलेक्ट्रिकल, पालकोड रोड, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री महेश चंद जाजु** मे. समराज्य द सिल्वर किंगडम, लाबीपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री महेश कुमार अग्रवाल** गुदीवागौरी स्ट्रीट, विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री माला राम देवासी** सैयद गुलाब स्ट्रीट, कोठा पेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री मलेश कुमार राजपुरोहित लक्ष्मी हाउस एपोलिव्स, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री मांगी लाल सुथार** गांधी रेसीडेंसी, गणेश नगर महानंदा रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री मनीष कुमार भट्टड़** स्टोन विस्ता, शिवालयम स्ट्रीट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. श्री गोवर्धन प्लास्टिक, कुन्नुर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री मनोज कुमार बंसल** मे. बंसल ट्रांसपोर्ट कं., सागर बिहार अपार्टमेंट, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री मोहन लाल सुथार पोला भावी स्ट्रीट, वन टाउन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री मोहित अग्रवाल** श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री मूल सिंह राजपुत** मे. एम.एस. फूटवीयर, हनुमान पेट,, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री मोति राम चौधरी** मे. श्री राजेश्वर मोबाइल, ए.वी. टावर, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री मुन्ना राम गांची** मे. श्रीजी मोबाइल, गोवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री नांजी राम चौधरी मे. श्री राजेश्वरी मोबाइल एसेसरिज, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री नारायण सिंह राजपुत** मे. मेट्रो मेटल्स, सांबामुर्ति रोड, गांधी नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री नरेंद्र कुमार मिश्रा** अंगदला वाड़ी स्ट्रीट, वन टाउन, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री नरेंद्र सिंह राजपुत** मे. श्री विजया दुर्गा सिल्वर, जैन काम्पलेक्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री नरपत कुमार राजपुरोहित** मे. पूजा मोबाइल, गवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री नरपत राज पुरोहित पालकोंडा रोड, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री नर्षा राम चौधरी** मे. सुर्या पेपर मार्ट, गांधी नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री नवीन चौधरी** सांई परौथी प्राइड अपार्टमेंट न्यु कालोनी, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री नेना राम गाची** मे. मयूर मोबाइल्स, बी.टी. रोड लेन, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री पी धर्मेंद्र मंगल** मे. श्री जीन माता प्लास्टिक्स, ऑटो नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री पारस सुथार मे. विष्णु इलेक्ट्रिकल्स, मेन रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री पवन कुमार सराफ** डी-१०, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, ऑटो नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रदीप गोयल** दीनबंधु पुरम, मेन रोड, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रदीप कुमार जैन** पोलाभावी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रजापत बाबुलाल** मे. बालाजी स्टीकर्स, विजयवाजडा, आंध्र प्रदेश
श्री प्रजापत हीरालाल मे. विजय टॉयज सेन्टर, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रजापत जितेंद्र कुमार** मे. पद्मावती प्लास्टिक एण्ड जनरल, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रजापत मंगलाराम** मे. विजय फेन्सी सेन्टर, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रकाश कुमार राजपुरोहित** पूर्णा मार्केट, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रकाश लाल भरतीया** पांडुरंगापुरम, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री प्रमोद कुमार जैन मे. हींकार ब्यूटी सेन्टर, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रशात मलाणी** कोनार्क रेजीडेंसी, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रताप सिंह राजपूरोहित** मे. माताजी क्रीएशन, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रताप सिंह राजपूत** मे. पी.एस. सिल्वर हाऊस, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रवीण कुमार ओदोतारीय** मे. महावीर ट्रेड सेन्टर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री प्रवीण सिंह राजपूत मे. भवानी स्टील, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री प्रेम दास वैष्णव** मे. विनोद लेंस, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री पुलकीत अग्रवाल** वी.एस.आर. बिल्डिंग ऑफिशियल कालोनी, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री पूरण सिंह भाटी** मे. राज इलेक्ट्रिकलस, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	**श्री पुरोहित नागराज** मे. श्री प्लास्टिक, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री राधेश्याम त्रिवेदी भवानीपूरम, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री राजेन्द्र कुमार जैन** मे. राजेन्द्र ज्वेलर्स, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री राजेन्द्र कुमार जोशी** विजयवाडा, आंध्र प्रदेश	**श्री राजेश कुमार लिखमानीया** मे. राजेश कुमार, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री राजेश शर्मा** गजूवारा, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश
श्री राजकुमार बंसल पूरना मार्केट, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री राजकुमार जुगत बंका** मे. आयरण थार्ड भवानीपूरम, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री राजपुरोहित पहाड़सिंह** मे. सूरेशा पेपर ऐजंसी, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री राजु सिंह चरण** मे. साई सारण ज्वेलर्स, काटरी बारी स्ट्रीट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री राकेश कुमार सिंगल** मे. लक्ष्मी प्लाई व्यूड, गवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री राकेश पारीक श्याम मिनिंग एण्ड ग्रानाईट्स, श्रीकाकुलाम, आंध्र प्रदेश	**श्री राम जीवन सुथार** एलमल कुतुरी विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री रमेश कुमार राजपुरोहित** मे. महादेव मोविक ऐसेसरीज, गोवर्नरपेट, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री राना राम चौधरी** मे. बालाजी बैग्स इंडसट्रीस, गांधी नगर, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री राशबिहारी गुप्ता** मे. किरण प्लसस्टिक्स, विजयवाड़ा, कृष्णा, आंध्र प्रदेश
श्री रतन सिंह चौहान जैन कालोनी रोड, गोलापुडि, कृष्णा, आंध्र प्रदेश	**श्री रतनलाल सेन** रामदेव अपती कलश, एलुरु रोड, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री रवीन्द्र कुमार गोयल** मे. रतनलाल आनंद स्वरूप, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश	**श्री ऋशिकेश मित्तल** दवागार्डन, कपिलाश रोडवेज, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	**श्री रुपा राम देवासी** मे. एम.एम. मोबाइल, गोपाला रेड्डी रोड, कृष्णा, आंध्र प्रदेश

RUPA®
TORRIDO
PREMIUM THERMAL
सर्दियों में
only
TORRIDO
STRETCHABLE | BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | SOFT AND NON-ITCHY
www.rupa.co.in | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th February, 2025
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com